शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 325 | गुवाहाटी | मंगलवार, 25 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

1975 के आपातकाल के खिलाफ कार्यक्रम शुरू करेगी भाजपा पेज 2
मंत्री सिंघल ने गुवाहाटी के कृत्रिम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण पेज 3
जजपा का भाजपा में नहीं होगा विलय : दुष्यंत चौटाला पेज 5
आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा, पेंशन शुरू करने... पेज 7

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती है!
– अज्ञात

देश चलाने के लिए आम सहमति से आगे बढ़ने के सभी प्रयास किए जाएंगे : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश के लोगों की सेवा के लिए संविधान के दायरे में रहते हुए आम सहमति से आगे बढ़ने के सभी प्रयास किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने आज से शुरू हुए 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत होने से पहले संसद के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन संसदीय लोकतंत्र के लिए गौरवपूर्ण और गौरवशाली है, क्योंकि आजादी के बाद पहली बार शपथ ग्रहण समारोह नई संसद में होगा। प्रधानमंत्री ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सरकार चुनने के लिए नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सरकार की नीयत, नीतियों और लोगों के प्रति समर्पण पर मुहर लगाता है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने एक परंपरा स्थापित करने का प्रयास किया है क्योंकि हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वसम्मति बेहद जरूरी है। -शेष पृष्ठ दो पर

फीस माफी योजना : सरकार ने राशन कार्ड स्वीकार करके कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया

गुवाहाटी। असम सरकार ने 24 जून को राज्य भर में उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की। फीस माफी योजना के लिए पात्र छात्र अब सरकारी और प्रांतीय कॉलेजों के साथ-साथ राज्य विश्वविद्यालयों में आवेदन करते समय आय प्रमाण पत्र के बजाय अपना पारिवारिक राशन कार्ड प्रस्तुत कर सकते हैं। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने इस नीतिगत बदलाव की पुष्टि की, जिसका उद्देश्य प्रथम वर्ष स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूजीपी) के लिए प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। यह निर्णय उन कई छात्रों के लिए राहत की बात है, जिन्हें आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जो अक्सर समय लेने वाली और जटिल प्रक्रिया होती है। पेगू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि आज समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय के बैठक कक्ष में शिक्षकों के युक्तिकरण एवं स्थानांतरण पर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया कि विद्यालयों एवं विषयों के अनुसार छात्र एवं शिक्षकों के अनुपात को -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

नीट को खत्म कर पुरानी व्यवस्थाएं बहाल करें सरकार : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख आग्रह किया कि *पेपर लीक* विवाद को देखते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करने और राज्यों द्वारा परीक्षा आयोजित करने की पुरानी प्रणाली बहाल करने पर विचार किया जाए। प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

गैंडे की सींग के साथ मणिपुरी नागरिक गिरफ्तार

कोलकाता (हि.स.)। दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी इलाके से मणिपुर के नागरिक अजीत कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से 1.25 किलोग्राम वजन का गैंडे का सींग बरामद किया गया है। उसे राज्य वन विभाग के अधिकारियों और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कर्मियों ने संयुक्त अभियान में पकड़ा है। कुर्सियांग डिवीजन के डिवीजन फॉरेस्ट ऑफिसर देवेश पांडे -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी जिला पुस्तकालय का होगा पुनर्निर्माण : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी के आमबाड़ी स्थित जिला पुस्तकालय का नए बुनियादी ढांचे के साथ उन्नत किया जाएगा। इस पर लगभग 51 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री डा शर्मा ने उक्त जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी। उन्होंने बताया कि नई डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी को चार लाइब्रेरी फ्लोर, तीन सामान्य अध्ययन क्षेत्रों, बुकस्टोर, कैफेटेरिया, पार्किंग सुविधाओं और पाठकों और आगंतुकों के लिए अन्य सुविधाओं से समृद्ध किया जाएगा।

स्कूल में राष्ट्रीय ध्वज को गलत तरीके से प्रदर्शित करने पर विवाद

पाठशाला। असम के बजाली जिले के सरकारी स्कूल, रेहाबारी हायर सेकेंडरी स्कूल को अपने परिसर में राष्ट्रीय ध्वज का गलत संस्करण प्रदर्शित करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। यह त्रुटि कथित रूप से भारतीय ध्वज संहिता का उल्लंघन है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल प्रबंधन ने हाल ही में जीर्णोद्धार के दौरान नवनिर्मित पुस्तकालय के खंभों पर भारतीय ध्वज के गलत रंगों के चित्र शामिल कर दिए, जिस -शेष पृष्ठ दो पर

ऑनलाइन कामाख्या पूजा के लिए कोई अधिकृत नहीं : मंदिर प्रबंधन

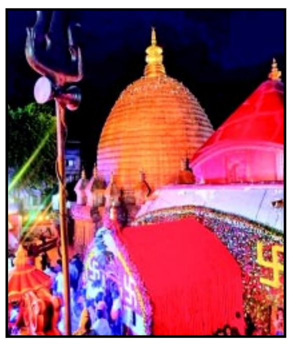

गुवाहाटी (हि.स.)। कामाख्या मंदिर प्रबंधन (दलै समाज) द्वारा आज सार्वजनिक सूचना दी गई है कि मां कामाख्या की ऑनलाइन पूजा के लिए किसी भी व्यक्ति, वेबसाइट या अन्य संस्था को अब तक अधिकृत नहीं किया गया है। कामाख्या धाम में चल रहे विश्व प्रसिद्ध अंबुवासी मेले के अवसर पर मीडिया में यह सार्वजनिक सूचना आज जारी की गई। इसमें लोगों को कामाख्या मंदिर के नाम पर किसी भी प्रकार के लेनदेन के लिए मना किया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि कोई भी व्यक्ति कामाख्या मंदिर के नाम -शेष पृष्ठ दो पर

मोरीगांव में सरकारी जमीन से 1500 परिवार हुए बेदखल

मोरीगांव। असम के मोरीगांव जिले में वन और रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बसे करीब 1500 परिवारों को यह क्षेत्र खाली करने के लिए कहा गया है। जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने सोमवार को संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि करीब 10,000 लोगों के ये परिवार जागीरोड के सिलभंगा गांव में सरकारी जमीन पर बस गए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों को 12 जून को नोटिस दिया गया था, जिसमें लोगों को 10 दिन के भीतर इस जमीन को खाली करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि इसमें से अधिकतर परिवारों ने इस आदेश का पालन किया है। देवाशीष शर्मा ने आगे बताया कि इनमें से कुछ परिवार के बच्चे अलग-अलग परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं, जिसके लिए उन्होंने समय मांगा है। मानवीय व्यवहार के तौर पर -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष ने संसद भवन परिसर में किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज सोमवार (24 जून) को शुरू हुआ। सत्र की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से हुई। विपक्ष ने पहले सत्र की शुरुआत संसद के बाहर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन से की। आईएनडीआईए के नेताओं ने संविधान की कॉपी लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

नीट-यूजी री-एग्जामिनेशन : 48 फीसदी छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

नई दिल्ली (हि.स.)। देशभर में विवाद और जांच के बीच रविवार को जिन 7 केंद्रों पर 1563 अभ्यर्थियों की दोबारा नीट यूजी परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 48 फीसदी छात्र उपस्थित नहीं हुए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नीट यूजी की परीक्षा में ग्रेस मार्क्स हासिल करने वाले 1563 अभ्यर्थियों को री-एग्जामिनेशन में शामिल होना था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की तरफ से बताया गया कि रविवार, 23 जून को देश में 7 केंद्रों पर 1563 स्टूडेंट्स के लिए दोबारा नीट-यूजी परीक्षा आयोजित की गई। इनमें से कुछ केंद्रों पर एक भी स्टूडेंट पेपर देने नहीं पहुंचा। कुल 48 फीसदी स्टूडेंट्स परीक्षा देने नहीं पहुंचे। एनटीए के आंकड़ों के मुताबिक कुल 1,563 छात्रों में से 813 (52 प्रतिशत) ने दोबारा परीक्षा दी और 750 छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए। छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मेघालय और केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

जेपी नड्डा को रास में सदन का नेता किया गया नामित

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता नामित किया गया है। उच्च सदन में नड्डा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की जगह लेंगे। जेपी नड्डा के सदन का नेता बनने पर कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी उन्हें बधाई दी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट करके केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को -शेष पृष्ठ दो पर

अब से केरल होगा केरलम, विस में नाम बदलने का प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया और केंद्र से राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर *केरलम* करने का आग्रह किया। विधानसभा ने दूसरी बार प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पहले प्रस्ताव की समीक्षा की थी और कुछ तकनीकी बदलावों का सुझाव दिया था। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने केंद्र से देश के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में दक्षिण राज्य का नाम केरल से केरलम करने की मांग की। प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मलयालम में राज्य को केरलम कहा जाता है और मलयालम भाषी समुदायों के -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के साथ बैठक में शामिल नहीं किए जाने पर ममता नाराज

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ पीएम नरेंद्र मोदी की द्विपक्षीय बैठक में पश्चिम बंगाल को शामिल नहीं किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी नाराजगी जताई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर तीस्ता जल बंटवारे और फरक्का संधि के बारे में बांग्लादेश के साथ चर्चा से राज्य सरकार को बाहर रखने पर कड़ी आपत्ति जताई। बनर्जी ने प्रधानमंत्री से पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल किए बिना पड़ोसी देश के साथ ऐसी कोई चर्चा नहीं करने का भी आग्रह किया। उन्होंने मोदी को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा कि मैं यह पत्र बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की हालिया यात्रा के संदर्भ में लिख रही हूं। ऐसा लगता है कि बैठक के -शेष पृष्ठ दो पर

पहली ही बारिश में टपकने लगी *राम मंदिर* की छत, मुख्य पुजारी का चौंका देने वाला दावा

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर के भव्य उद्घाटन को एक साल भी नहीं हुआ है, गर्भगृह में पानी के रिसाव की खबरें सामने आ चुकी हैं। भव्य मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा है कि पहली बारिश के बाद ही मंदिर की छत टपकने लगी थी। इससे राम मंदिर निर्माण पर चिंता बढ़ गई है। राम मंदिर के चल रहे निर्माण कार्य के बारे में बोलते हुए, मुख्य पुजारी ने कहा कि जुलाई 2025 तक निर्माण पूरा होना असंभव है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर ऐसे दावे किए जा रहे हैं तो वह उन्हें स्वीकार करते हैं। मामले में कार्रवाई और जांच की मांग बहुत कम संभावना है कि निर्माण कार्य एक साल के भीतर पूरा हो जायेगा। वर्तमान में अन्य देवताओं की मूर्तियों के लिए भी निर्धारित स्थान बनाने का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक खुशी की खबर है कि मंदिर अगले साल तक पूरी तरह से तैयार हो सकता है, लेकिन यह भी महत्वपूर्ण है कि संबंधित अधिकारी उस संरचना में आने वाले मुद्दों पर ध्यान दें जो अब जनता के लिए खुला है। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि निर्मित राम मंदिर में जल निकासी के लिए कोई निकास नहीं है और ऊपर से पानी -शेष पृष्ठ दो पर

साउथ कोरिया : बैटरी फैक्टरी में आग, 20 मरे

सियोल (हि.स.)। दक्षिण कोरिया में एक बैटरी संयंत्र में आग लगने की घटना में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार को सियोल के दक्षिण में ह्वासोंग में लिथियम बैटरी प्लांट में आग लगने के बाद लापता 23 लोगों में से अब तक मौके से 20 शव बरामद किए गए हैं। राष्ट्रपति यूं सुक योल ने लापता लोगों की तलाश और बचाव के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया है। अग्निशमन कर्मियों के मुताबिक बैटरी प्लांट में आग लगने के बाद पूर्णकालिक और अंशकालिक श्रमिकों की दैनिक सूची भी आग में नष्ट हो गई है, इसलिए हताहतों की वास्तविक संख्या का पता नहीं चल पा रहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

1975 के आपातकाल के खिलाफ कार्यक्रम शुरू करेगी भाजपा

संविधान के प्रति अवहेलना को करेगी उजागर

नई दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को कहा कि वह 1975 के आपातकाल पर एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू करेगी, ताकि कांग्रेस की *अधिनायकवाद* और संविधान के प्रति उसकी अवहेलना को *उजागर* किया जा सके। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने एक बयान में कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को अपने मुख्यालय में *लोकतंत्र के काले दिन* शीर्षक से मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। संविधान के अनुच्छेद 352 के अनुसार, अगर देश की सुरक्षा को गंभीर खतरा है- चाहे युद्ध हो या बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह। बलूनी ने कहा कि आपातकाल भारत के मजबूत लोकतंत्र में एक अविस्मरणीय काला अध्याय है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल लगाया, जो लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर गंभीर अंकुश था। उन्होंने कहा कि अगले 21 महीनों में, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश के लोकतंत्र और संविधान को बंदी बनाकर रखा, लोगों, मीडिया और विपक्षी नेताओं पर अनगिनत अत्याचार किए। बलूनी ने कहा कि यह अवधि एकतरफा कांग्रेस के नेतृत्व वाली तानाशाही का पर्याय बन गई, जिसके दौरान नागरिक अधिकारों को खत्म कर दिया गया और असहमति जताने वालों को अन्यायपूर्ण तरीके से कैद कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आज भी, 25 जून, 1975 को भारतीय इतिहास में जोड़े गए इस अभिशप्त पृष्ठ को पढ़ने से गहरा डर पैदा होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तानाशाही और देश के संविधान के प्रति उसकी अवहेलना को उजागर करने के लिए, भाजपा ने एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कल दोपहर 12:30 बजे नई दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में *लोकतंत्र के काले दिन* मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 25 जून, 1975 को देर रात, गांधी ने ऑल इंडिया रेडियो पर एक प्रसारण में आपातकाल लागू करने की घोषणा की, इसके तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सशर्त रोक लगा दी, जिसमें लोकसभा के लिए उनके चुनाव को अमान्य घोषित किया गया था। 21 महीने की अवधि को जबरन सामूहिक नसबंदी, प्रेस पर सेंसरशिप, संवैधानिक अधिकारों के निलंबन और सत्ता के केंद्रीकरण के लिए जाना जाता है। बलूनी ने कहा कि भाजपा नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता 1975 में आपातकाल लगाए जाने के विरोध में देशभर में कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि वे इस बात को उजागर करेंगे कि कैसे कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा, नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित किया, 21 महीनों तक विपक्षी नेताओं के खिलाफ अत्याचार किए, मीडिया को दबाया, सच बोलने वालों को चुप कराया, भारत की लोकतांत्रिक अखंडता को कमजोर किया और आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) और भारत रक्षा नियम (डीआईआर) के तहत लोगों पर अत्याचार किया। सोमवार को 18वीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में सभी को साथ लेकर चलने और आम सहमति बनाने का प्रयास करेगी। साथ ही उन्होंने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए इसे लोकतंत्र पर *काला धब्बा* बताया, जब संविधान को *त्याग* दिया गया था। कांग्रेस और विपक्ष द्वारा प्रोटेम स्पीकर के चयन सहित कई मुद्दों पर उनकी सरकार पर निशाना साधे जाने के बीच, मोदी की परंपरागत सत्र-पूर्व टिप्पणी में उनके प्रतिद्वंद्वियों पर कटाक्ष किया गया, क्योंकि उन्होंने जोर देकर कहा कि लोग संसद में नाटक और व्यवधान नहीं, बल्कि बहस और परिश्रम चाहते हैं।

पूसीरे ने अब तक 61 प्रतिशत विद्युतीकरण किया पूरा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल अपने मिशन मोड में दुनिया का सबसे बड़ा *ग्रीन रेलवे* बनने की दिशा की ओर अग्रसर है। नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने और 100 प्रतिशत विद्युतीकरण प्राप्त करने के अपने लक्ष्य के हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने क्षेत्राधिकार के अविद्युतीकृत ब्रॉड-गेज मार्गों के विद्युतीकरण कार्यों को गति दे रहा है। अब तक, पूसीरे ने 2583 आरकेएम (रूट किमी) का विद्युतीकरण हासिल कर लिया है, जो इस नेटवर्क के कुल 4260 आरकेएम का 61 प्रतिशत है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने सोमवार को बताया है कि आठ पूर्वोत्तर राज्यों में अब तक 1399.34 आरकेएम विद्युतीकृत हो चुका है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार सीडीपीओ

तिनसुकिया (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अनुपमा गोहाईं, बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), हपजन आईसीडीएस परियोजना, जिला- तिनिसुकिया ने अपने कार्यालय में एक कर्मचारी जिनामोनी सुतिया के साथ साजिश करके आंगनवाड़ी केंद्र के मकान का किराया जारी करने के लिए शिकायतकर्ता से 36 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर शिकायतकर्ता ने उपर्युक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। जिसके मद्देनजर आज सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की एक टीम ने बाल विकास परियोजना अधिकारी के कार्यालय में जाल बिछाया। अनुपमा गोहाईं, बाल विकास परियोजना अधिकारी को शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में सात हजार रुपए स्वीकार करने के तुरंत बाद उनके कार्यालय में रंगे हाथों पकड़ लिया गया। उनके कब्जे से दागी रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में उसे जब्त कर लिया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी अनुपमा गोहाईं के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उन्हें इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जिनामोनी सुतिया को भी इस मामले में सीडीपीओ के साथ साजिश रचने के आरोप में गुवाहाटी से गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में एसीबी पुलिस थाने में एसीबी थाना मामला संख्या 51/2024 के तहत धारा 1208 आईपीसी, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई चल रही है।

मोबाइल चोरी के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

शिवसागर (हिंस)। मोबाइल चोरी के संदेह में आज भीड़ द्वारा एक 27 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शिवसागर के फूकन नगर के चलेगांव में हुई इस घटना में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतक की पहचान पालू ग्वाला के रूप में हुई। जबकि, इस पिटाई में एक अन्य युवक दादू ग्वाला बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, भीड़ ने चलेगांव में जयराम के घर पर हमला किया। आरोपों के अनुसार हमला करने वालों में बागली, मैना कर्मकार, टिकू ग्वाला, जयराम मंडल, बुई मंडल, राजू माझी, कमल और करण नामक व्यक्ति शामिल थे।

सिपाझार में सर्पदंश से बच्ची की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। सिपाझाड़ में सर्पदंश से एक बच्ची की मौत हो गई। घटना के विवरण के अनुसार, सिपाझाड़ के गरैइमारा के स्वर्गीय पवन सहरिया की 8 वर्षीय बेटी पिंसी सहरिया (कक्षा चार की छात्रा) को घर में खेलते समय सांप ने काट लिया। बच्ची को सिपाझाड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) ले जाया गया। सिपाझाड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में टीटी इंजेक्शन लगाए जाने के 15 मिनट बाद डॉक्टरों ने बच्ची को मंगलदै सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। उस समय सिपाझाड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में एम्बुलेंस नहीं होने के कारण, बच्ची को बाइक पर मंगलदै सिविल अस्पताल ले जाया गया। मंगलदै सिविल अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्ची का ईलाज किया और उसे पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने का हवाला देते हुए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। बच्ची को एम्बुलेंस में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया जा रहा था, जब बच्ची ने अपनी आवाज खो दी। आनन-फानन में उसे बाईहाटा चारिआली के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

No. DSY/S/MDW/GWC/295291/17

Advertisement

The Directorate of Sports & Youth Welfare, Assam is going to award Sports Pension (One Time Financial Assistance and Regular Sports Pension) to all the sportspersons who are permanent residents of Assam and have secured medal in Olympic Games/Asian Games/Commonwealth Games/ World Championships (Olympic recognized sports disciplines)/National Games.

Those sportspersons who had applied or who had been selected during 2021-22, 2022-23 and 2023-24 under the said sports pension scheme should not apply again.

In this regard, Directorate of Sports & Youth Welfare, Assam invites concerned medal winners only, to submit the following documents along with application within 10 days from the date of publication of this advertisement to this Directorate through concerned District Sports Officers.

i) Certificate (Medal winning certificate issued by concerned Federations/ Associations).
ii) Affidavit disclosing employment status.
iii) Bank Passbook (Front page).
iv) ID Card issued by employer (in case of Govt./Semi Govt./Private/others).
v) Voter ID.
vi) Permanent Residence Certificate (PRC).
vii) Mobile number.

Director
Sports & Youth Welfare, Assam

- Janasanyog/D/1833/24/25-Jun-24

भाजपा के लिए प्रचार करने पर पति ने की मारपीट, दिया तीन तलाक

छिंदवाड़ा (हि.स.)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में भाजपा की सदस्यता लेना और पार्टी के पक्ष में प्रचार करना एक मुस्लिम महिला के ससुराल वालों को इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने न सिर्फ उसके साथ मारपीट की, बल्कि उसे घर से भी निकाल दिया। इतना ही नहीं, पति ने तीन बार तलाक बोलकर उसे तलाक दे दिया। पीड़ित महिला ने शहर कोतवाली थाने में पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ शिकायत की है। महिला ने ससुराल पक्ष पर पांच लाख रुपए दहेज में मांगने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पति समेत सास और ननद पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले में छानबीन के बाद आरोपितों को हिरासत में लिया। फिलहाल पूछताछ चल रही है। कोतवाली थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने सोमवार को बताया कि पीड़िता रायल चौक निवासी इशरत शेख ने शिकायत की है कि उसकी शादी अब्दुल आशिफ मंसूरी से हुई थी। शादी के बाद से पति, सास व चार ननद मायके से दहेज में पांच लाख रुपए लाने का दबाव बनाकर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना देने लगे थे। उसे घर से निकाल दिया गया था। वह बेटे के साथ किराए के मकान में रह रही है। इस दौरान पति अब्दुल आशिफ मंसूरी ने उसके साथ मारपीट कर तीन तलाक बोलकर रिश्ता तोड़ दिया। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति अब्दुल आशिफ मंसूरी समेत उसके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ धारा-498ए, 294, 34, दहेज अधिनियम की धारा 3/4 और मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकार का संरक्षण) अधिनियम की धारा 2019 की धारा-4 के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़िता इशरत शेख ने अपनी शिकायत में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से प्रभावित होकर उसने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्राचर किया और उसी को अपना वोट दिया था। यह बात मेरे पति, सास और ननद को पता लगने पर वह मेरे घर आए और मारपीट करने के बाद पति ने तीन तलाक कहकर उसने रिश्ता तोड़ लिया। इशरत का कहना है कि उसके पति ने फरवरी-मार्च के समय कोर्ट का नोटिस भेजा था, लेकिन उसने नहीं लिया।

पृष्ठ एक का शेष

देश चलाने के लिए ...

उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि 140 करोड़ नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सर्वसम्मति और सभी को साथ लेकर मां भारती की सेवा की जाए। प्रधानमंत्री ने इस संसद के गठन को भारत के सामान्य मानवी के संकल्पों को पूरा करने का माध्यम बताते हुए कहा कि यह नए उत्साह के साथ नई गति और ऊंचाई हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने के लिए आज से 18वीं लोकसभा शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद यह केवल दूसरी बार है जब देश ने किसी सरकार को तीसरी बार सेवा करने के लिए अपना जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह अवसर 60 वर्षों के बाद आया है जो इसे अपने आप में गौरवपूर्ण बनाता है। सभी को साथ लेकर चलने और भारतीय संविधान के दायरे में निर्णय लेने की गति बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा में शपथ लेने वाले युवा सांसदों की संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए देश को आपातकाल की याद दिलाते हुए कहा कि कल 25 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र पर एक काला धब्बा है। उन्होंने कहा कि भारत की नई पीढ़ी उस दिन को कभी नहीं भूलेगी, जब लोकतंत्र को कुचलकर भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था और देश को जेलखाने में बदल दिया गया था। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया ताकि ऐसी स्थिति फिर कभी न आए। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे और भारत के संविधान के अनुसार आम लोगों के सपनों को पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की जिम्मेदारी तीन गुना बढ़ गई है, क्योंकि लोगों ने सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना है। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि सरकार पहले से तीन गुना अधिक मेहनत करेगी और तीन गुना बेहतर नतीजे भी लाएगी। विपक्ष की भूमिका पर बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की जनता उनसे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखते हुए अपनी भूमिका पूरी तरह निभाने की अपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस पर खरा उतरेगा। मोदी ने जोर देकर कहा कि लोग नारों के बजाय सार्थकता चाहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सांसद आम नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों की जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए कहा कि वे सामूहिक रूप से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करें और लोगों का भरोसा मजबूत करें।

फीस माफी योजना...

नियंत्रित करने के लिए प्राथमिकता के साथ शिक्षकों का युक्तिकरण एवं स्थानांतरण करें। पेगू ने आगे बताया कि फीस माफी योजना के तहत सरकारी और प्रांतीय कॉलेजों के साथ-साथ राज्य विश्वविद्यालयों में एफवाईयूजीपी में 57,469 छात्रों को दाखिला दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से 50,000 अतिरिक्त छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पेगु ने बताया कि संस्थानों को आम तौर पर डेटा संकलन के बाद प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में प्रतिपूर्ति की जाती है, जो एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है। हालांकि, इस साल समर्थ पोर्टल के माध्यम से डेटा आसानी से उपलब्ध होने के साथ, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आदेश दिया है कि सभी गैर-सीयूईटी प्रवेशों के लिए संस्थानों को 10 जुलाई को प्रतिपूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि सीयूईटी-आधारित प्रवेश पूरा होने के बाद, सरकार अगस्त में प्रतिपूर्ति प्रदान करेगी। मंत्री ने कहा कि पिछले 3 वर्षों में, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को शुल्क माफी प्रतिपूर्ति के रूप में कुल 427.51 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं और 10 लाख 95 हजार छात्र इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस बदलाव के महत्व पर जोर दिया, खासकर राज्य की प्रज्ञान भारती योजना के तहत आवेदन करने वालों के लिए। उन्होंने कॉलेज अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन छात्रों से पारिवारिक राशन कार्ड स्वीकार करें जो माता-पिता की आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में असमर्थ हैं। इस कदम से असम के हजारों छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे उच्च शिक्षा अधिक सुलभ हो जाएगी। यह शैक्षिक नीतियों को तर्कसंगत बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार करने के सरकार के प्रयासों के अनुरूप भी है।

स्कूल में राष्ट्रीय...

पर अनुमानित 16 लाख रुपए की लागत आई है। ध्वज संहिता में निर्दिष्ट किया गया है कि भारतीय ध्वज का शीर्ष फलक केसरिया रंग का, मध्य फलक सफेद रंग का तथा निचला फलक हरा रंग का होना चाहिए। सफेद पैनल पर गहरे नीले रंग में अशोक चक्र प्रदर्शित होना चाहिए, जिसमें 24 समान दूरी पर तीलियां हों। हालांकि, स्कूल में दर्शाए गए झंडों में केसरिया, सफेद और पीले रंग का प्रयोग किया गया था, जिससे स्थानीय लोगों ने इसकी आलोचना की। एक निवासी ने टिप्पणी की कि यह हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने जैसा है। एक शिक्षित व्यक्ति होने के नाते प्रिंसिपल को इस गलती पर ध्यान देना चाहिए था। इससे छात्रों को जो पढ़ाया जा रहा है, उसके बारे में चिंता पैदा होती है।

ऑनलाइन कामाख्या पूजा...

पर ऑनलाइन लेनदेन कर रहा है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों को ऐसे ठगों से बचने को कहा गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को कामाख्या मंदिर से संबंधित कुछ जानकारी हासिल करनी हो तो वह कामाख्या मंदिर के आधिकारिक वेबसाइट www.maakamakhya.org पर जाकर इससे संबंधित जानकारी हासिल कर सकता है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर बहुत सारे लोगों ने मां कामाख्या मंदिर के नाम पर पेज बनाकर व्यवसाय शुरू कर दिया है। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोरीगांव में सरकारी ...

हमने परीक्षा खत्म होने तक उनके रहने का इंतजाम करने का फैसला किया है। जिला आयुक्त ने कहा कि प्रशासन इस जमीन को बल प्रयोग किए बिना और संरचनाओं को ध्वस्त किए बगैर खाली कराने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने लोगों से बातचीत की और वे ऐसा करने के लिए सहमत हो गए हैं। उनमें से लगभग 80 प्रतिशत लोगों ने पहले ही अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि से अपना सामान हटा लिया है। इलाके में कोई अप्रिय घटना न हो इसको सुनिश्चित करने के लिए जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने दिन के वक्त में इस क्षेत्र का दौरा किया। यहां सुरक्षाबलों को भी तैनात किया गया है। जिला आयुक्त ने कहा कि हमें उम्मीद है कि लोग शांतिपूर्वक इलाके से निकल जाएंगे।

नीट-यूजी री-एग्जामिनेशन...

शासित प्रदेश चंडीगढ़ में सात परीक्षा केंद्र खोले गए थे। इन केंद्रों में चंडीगढ़ में दो परीक्षार्थी परीक्षा देने वाले थे जिसमें दोनों ही अनुपस्थित रहे। गुजरात में 1 परीक्षार्थी को शामिल होना था, वह उपस्थित रहा। हरियाणा में 494 परीक्षार्थी शामिल होने वाले थे, जिसमें 287 ने दोबारा परीक्षा दी और 207 अनुपस्थित रहे। मेघालय में 494 परीक्षार्थी दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले थे, जिसमें 230 अनुपस्थित रहे और 234 परीक्षार्थियों ने दोबारा परीक्षा दी।

जेपी नड्डा को रास ...

राज्यसभा में सदन का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी कुशल कार्यशैली और विशाल राजनीतिक अनुभव निस्संदेह उच्च सदन में नए मानक स्थापित करेगा और हमारे देश की प्रगति में योगदान देगा।

अब से केरल होगा...

लिए एकीकृत केरल बनाने की मांग राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के समय से ही जोरदार तरीके से उठी थी। लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम केरल लिखा हुआ है। यह विधानसभा केंद्र से अनुरोध करती है कि संविधान के अनुच्छेद तीन के तहत इसका नाम बदलकर केरलम किया जाए। यह विधानसभा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में इसका नाम बदलकर केरलम करने का अनुरोध करती है। यह दूसरी बार था जब राज्य विधानसभा ने राज्य के नाम में बदलाव की मांग कते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। विधानसभा सचिवालय के सूत्रों के मुताबिक, सदन ने पिछले साल अगस्त में भी सर्वसम्मति से ऐसा ही प्रस्ताव पारित किया था और इसे केंद्र को सौंपा था। लेकिन केंद्रीय गृहमंत्रालय ने इसमें कुछ तकनीकी बदलावों का सुझाव दिया था। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले के प्रस्ताव में कुछ बदलावों की जरूरत है। प्रस्ताव को सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ दोनों के सदस्यों ने स्वीकार किया। यूडीएफ विधायक एन शम्सद्दीन ने प्रस्ताव में कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया, जिन्हें सरकार ने खारिज किया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ए.एन शमसीर ने इसे सर्वसम्मति से पारित घोषित किया।

विपक्ष ने संसद भवन ...

सहित विपक्ष के अन्य सांसदों ने संविधान की कापी लेकर मार्च निकाला। प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संविधान बचाने के लिए जो कोशिश हमने की थी, उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की, इसलिए आज यहां पर हम एकत्रित होकर विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शन को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि हम इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की गई है, वह संवैधानिक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है।

बांग्लादेश के साथ...

दौरान गंगा और तीस्ता नदियों से संबंधित जल बंटवारे के मुद्दों पर चर्चा हुई होगी। परामर्श और राज्य सरकार की राय के बिना इस तरह की एकतरफा चर्चा और विचार-विमर्श न तो स्वीकार्य है और न ही वांछनीय है। उन्होंने कहा कि बंगाल का बांग्लादेश के साथ भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से बहुत करीबी रिश्ता है। ममता बनर्जी ने लिखा कि मैं बांग्लादेश के लोगों से प्यार करती हूं और उनका सम्मान करती हूं और हमेशा उनकी भलाई की कामना करती हूं। मैं अपनी कड़ी आपत्ति जताती हूं कि राज्य सरकार की भागीदारी के बिना बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल बंटवारे और फरक्का संधि पर कोई चर्चा नहीं की जानी चाहिए। बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों का हित सर्वोपरि है, जिसके साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

पहली ही बारिश में ...

रिसने के बाद मूर्ति वाले स्थान पर एकत्र होना शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि अगर यह दावा किया जा रहा है कि पूरा निर्माण कार्य 2025 तक पूरा हो जाएगा तो यह अच्छी बात है, लेकिन यह असंभव है क्योंकि अभी भी काफी काम बाकी है। उन्होंने फिर इस बात पर जोर दिया कि लीकेज का मुद्दा बड़ा है और इसे पहले सुलझाया जाना चाहिए। श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने श्री राम मंदिर में कथित जल रिसाव को लेकर कहा कि मैं अयोध्या में हूं। मैंने पहली मंजिल से बारिश का पानी गिरते देखा। यह अपेक्षित है क्योंकि गुरु मंडप दूसरी मंजिल के रूप में आकाश के संपर्क में है और शिखर का पूरा होना इस उद्घाटन को कवर करेगा। मैंने नाली से कुछ रिसाव भी देखा क्योंकि पहली मंजिल पर यह काम प्रगति पर है। पूरा होने पर, नाली बंद कर दी जाएगी। गर्भगृह सेंटोरम में कोई जल निकासी नहीं है क्योंकि सभी मंडपों में पानी की निकासी के लिए ढलान मापी गई है और गर्भगृह सेंटोरम में पानी मैन्युअल रूप से अवशोषित किया जाता है। इसके अलावा श्रद्धालु भगवान का अभिषेक भी नहीं कर रहे हैं। कोई डिजाइन या निर्माण समस्या नहीं है। जो मंडप खुले हैं उनमें वर्षा जल की बूंदें गिर सकती हैं, जिस पर बहस हुई, लेकिन नगर वास्तुशिल्प मानदंडों के अनुसार उन्हें खुला रखने का निर्णय लिया गया।

साउथ कोरिया : बैटरी...

है। फिर भी लापता हुए 23 लोगों में से मौके से 20 शव बरामद किए गए हैं, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि लापता हुए 23 लोगों में से 20 विदेशी हैं, जिनमें चीनी नागरिक भी हैं। सियोल से 45 किलोमीटर दूर दक्षिण में ह्वासोंग में लिथियम बैटरी निर्माता एरिसेल के प्लांट में सुबह करीब 10:30 बजे लगी। अग्निशमन कर्मियों ने दोपहर 3 बजे तक मुख्य आग पर काबू पा लिया और प्लांट में जाकर 20 शव बरामद किये। टीवी फुटेज में जलते हुए प्लांट में छोटे-छोटे विस्फोट होते हुए दिखाई दिए और चिंगारी निकलती रही। यह तीन मंजिला प्लांट मजबूत कंक्रीट की इमारत में है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 2,300 वर्ग मीटर है। इसीलिए अग्निशामकों को आग बुझाने में कठिनाई हुई। आग बुझाने के दौरान जलती हुई लिथियम बैटरियों को संभालना मुश्किल हो गया। प्लांट की दूसरी मंजिल से भागकर आए एक चश्मदीद ने ह्वासोंग फायर स्टेशन को बताया कि आग लगने के समय एक बैटरी सेल में विस्फोट हुआ था। आग तेजी से फैली, क्योंकि अंदर बैटरी सेल लगातार फट रहे थे, जिससे बचावकर्मियों के लिए अंदर जाकर तलाशी लेना मुश्किल हो गया। माना जाता है कि प्लांट के अंदर कम से कम 35,000 बैटरियां हैं। सरकार ने आपदा से होने वाली मौतों को कम करने के उपायों पर चर्चा करने के लिए दोपहर में केंद्रीय आपदा और सुरक्षा प्रतिवाद मुख्यालय की एक आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में आंतरिक एवं सुरक्षा मंत्री ली सांग-मिन ने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों और स्थानीय सरकारों से आग बुझाने और बचे हुए लोगों को बचाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों और कर्मियों को जुटाने को कहा है।

नीट को खत्म कर ...

को लिखे पत्र में बनर्जी ने नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं में
संलिप्त [redacted] कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। उन्होंने कहा कि
मैं आप [redacted] कि आप इस पर विचार करें और राज्य सरकारों
द्वारा इस [redacted] त करने की पुरानी प्रणाली को बहाल करने तथा
नीट को [redacted] तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने यह भी कहा कि
इस कद [redacted] न्य करने में मदद मिलेगी और छात्रों में विश्वास
भी बढ़े [redacted]

[redacted] की सींग के ...

ने सोम [redacted] जब्त गैंडे की सींग को जांच के लिए भारतीय
प्राणी स [redacted] दिया गया है। मणिपुरी नागरिक नक्सलबाड़ी
पुलिस [redacted] को सौंप दिया गया है। बरामद गैंडे का सींग
संभवत [redacted] जंगल से तस्करी करके लाया गया था। पूछताछ
के दौर [redacted] या कि उसकी योजना नेपाल के रास्ते गैंडे के
सींग क [redacted] रने की थी। चीन में कामोद्दीपक दवाइयों के
उत्पाद [redacted] गों की बहुत मांग है। वन विभाग के अधिकारी
ने कहा [redacted] गलियारे में चल रहे वन्यजीव तस्करी के एक
बड़े गि [redacted] आरोपित ने पहले ही अपने कुछ साथियों के नाम
बताए [redacted] और आरोपित से पूछताछ में और भी कई बातें
सामने [redacted]

मंत्री सिंघल ने गुवाहाटी के कृत्रिम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

रुक्मिणीगांव क्षेत्र में कृत्रिम बाढ़ की समस्या पर स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ की विशेष बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के आवास एवं शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने आज जिला आयुक्त, गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग आदि के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुवाहाटी के विभिन्न हिस्सों में कृत्रिम बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मंत्री ने आज रुक्मिणीगांव, डाउन टाउन, सरूमटरिया, ऑयल इंडिया पाइपलाइन, आयकर कार्यालय के पास के क्षेत्र, वशिष्ठ चारिआली में गुरुद्वारे के पास के क्षेत्र, दिसपुर लास्टगेट, गणेशगुड़ी गणेश मंदिर के सामने के क्षेत्र आदि का निरीक्षण किया। कुछ क्षेत्रों में लोगों द्वारा भरलू नदी को संकरा करके दीवारों, आवास, उपमार्गों आदि के निर्माण को देखा और अधिकारियों को ऐसे अवैध निर्माणों के खिलाफ उचित कदम उठाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मौजूद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री सिंघल ने कहा कि खानापाड़ा से जालुकबारी तक राष्ट्रीय राजमार्ग को छह लेन बनाने के बाद खानापाड़ा की तरफ से आने वाला अतिरिक्त पानी भरलू नदी में प्रवेश कर जाता है और भरलू के माध्यम से शहर के मध्य से होकर ब्रह्मपुत्र में बहता है। जिस कारण शहर के कुछ नये इलाके कृत्रिम बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। क्योंकि, यह नदी की सामान्य वहन क्षमता से अधिक है। उन्होंने कहा कि इस अतिरिक्त पानी के कारणों, स्त्रोतों की जांच करने और इसे वैकल्पिक मार्गों की

ओर मोड़ने के लिए चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि जिला आयुक्त को परियोजना के अधीन वाहिनी नदी के साथ अतिक्रमित क्षेत्रों में बेदखली अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ मुक्त गुवाहाटी अभियान के परिणामस्वरूप शहर के कई बाढ़ संभावित क्षेत्रों को इस बार कृत्रिम बाढ़ की समस्या से मुक्त कराया गया है। इसके साथ ही कुछ नए क्षेत्र कृत्रिम बाढ़ की चपेट में पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों से कम से कम समय में पानी निकालने के लिए विभाग की ओर से आवश्यक उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शहर के नागरिकों के एक वर्ग की अविवेकपूर्ण गतिविधियों के कारण, भरलू और वाहिनी नदियां और नालियों में कचरा, प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन आदि भर जाती हैं। मंत्री के साथ इस दौरान जीएमडीए के अध्यक्ष नारायण डेका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनबामुथन एमपी, गुवाहाटी नगर निगम की आयुक्त मेघनिधि दहाल, कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त सुमित सत्तावन और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। दूसरी ओर, मंत्री सिंघल ने क्षेत्र में कृत्रिम बाढ़ की जटिल समस्या को लेकर आज जनता भवन में रुक्मिणीगांव और गुवाहाटी क्षेत्र के लोगों के कुछ प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक की। उन्होंने क्षेत्र के स्थानीय लोगों की बातों को सुना और क्षेत्र में कृत्रिम बाढ़ के संभावित कारणों और समस्या के समाधान के संबंध में आवश्यक सुझाव लिए। समस्या की गंभीरता को समझते हुए, उन्होंने नगर निगम, जीएमडीए, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जिला प्रशासन और रुक्मिणीगांव के स्थानीय लोगों के प्रतिनिधियों के साथ एक समिति का गठन किया, ताकि क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का स्थायी समाधान खोजने के तरीके खोजे जा सकें। गुवाहाटी नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मृणाल बोरा की अध्यक्षता वाली समिति संयुक्त रूप से रुक्मिणीगांव के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण करेगी और बाढ़ की स्थिति में योगदान देने वाले सभी कारकों का पता लगाएगी। इसके अलावा, समिति रुक्मिणी गांव क्षेत्र में बाढ़ के जोखिम को दूर करने के लिए तत्काल और स्थायी दोनों समाधानों की सिफारिश करेगी। उन्होंने समिति को 10 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। आज की बैठक में आवास और शहरी मामलों के विभाग के सचिव पवित्र राम खाउंड के साथ ही विभाग के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

धिंग में बिजली गिरने से कई लोग घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत धिंग के सोनारीगांव में बिजली गिरने से कई लोग घायल हो गए। घायलों को धिंग एफआरयू ले जाया गया। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात बरसात से बचने के लिए छह से सात लोग एक घर में शरण लिए हुए थे। इसी बीच आसमान में जोर की बिजली कौंधी और देखते ही देखते घर में आश्रय लिए लोग इसकी चपेट में आ गए। घायलों की पहचान मुस्ताकिन आलम, अक्जर अली, खैरुल इस्लाम और रौजाना यास्मीन के रूप में की गई।

मोरीगांव में 1500 परिवारों को सरकारी जमीन से हटाया

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले में वन विभाग और रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बसे लगभग 1500 परिवारों को आज हटा दिया गया। जागीरोड के सिलभंगा गांव में हुए इस अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा पूरी तरह हटा दिया गया। मोरीगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने कहा कि इस सिलसिले में 1500 परिवारों को नोटिस दिया गया था। इससे करीब 10 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। अभियान में अतिक्रमित भूमि को खाली करने के लिए रेलवे के बुलडोजर का उपयोग किया गया। रेलवे प्रशासन द्वारा एक सप्ताह के भीतर क्षेत्र को खाली करने का आदेश दिया गया था। लोगों द्वारा खाली नहीं करने के बाद प्रशासन द्वारा इसे तोड़ दिया गया। पर्याप्त अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया। जागीरोड का सिलभंगा लंबे समय से अवैध निर्माण और क्षेत्र में कथित आपराधिक गतिविधियों के कारण विवादों में रहा है। पहले अतिक्रमण हटाने की कोशिशों का जमकर विरोध किया गया था।

रंगिया : जर्जर लकड़ी के पुल से सवारी सहित पानी में जा गिरा ई रिक्सा

रंगिया (निसं)। रंगिया के हालिकुछी की घटना ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता के विकास का खोखला स्वरूप उजागर कर दिया। जहां कलंगी नामक जलाशय पर निर्मित वर्तमान जर्जर लकड़ी के पुल से चालक के साथ ई-रिक्शा गिर गया। ई-रिक्शा चालक को किसी तरह कलंगी जान से बचा लिया गया। घटना के विवरण के अनुसार तुलसीबाड़ी-हालिकुछी मार्ग पर कलंगी जान में स्थित एक यमदूत जैसा पुल कई गांवों के लोगों के परेशानी का सबब बन गया है। भवेश कलिता एक-एक कर दो बार रंगिया क्षेत्र से विधायक चुने गए है लेकिन जर्जर पुल की मरम्मत नहीं हो पायी। जनता ने कई बार आवेदन निवेदन करके भी असफल रही हैं। अंततः चुनावी हथकंडे के रूप में तीन महीने पहले पुल की आधारशीला रखी गई थी लेकिन आज तक पुल का निर्माण कार्य शुरू तक नहीं किया गया है। जिसके फलतः आज सोमवार को लोकनिर्माण

विभा के अधीन मार्ग के जर्जर लकड़ी के पुल से चालक समेत रिक्शा पुल पार करते समय नीचे गिर गया। रिक्शा चालक पानी के बहाव में बह गया था लेकिन चालक को जनता ने किसी तरह बचा लिया। घटना के बाद स्थानीय विधायक भवेश कलिता और लोकनिर्माण विभाग के विरूद्ध में लोगों ने गुस्सा जाहिर किया।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की दो दिवसीय आम वार्षिक सभा संपन्न

गुवहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक साधारण सभा शंकरदेव विद्या निकेतन, विष्णुपथ, एवं असम प्रकाशन भारती गुवाहाटी में आयोजित। सभा में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी प्रांत समितियों एवं ट्रस्टों द्वारा वार्षिक कार्यवृत्त प्रस्तुत किया गया। सभा के उद्घाटन सत्र में ज्येष्ठ कार्यकर्ता महानंद दास के शंतनु रघुनाथ शेण्डे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विविध सत्रों में विषय प्रमुखों ने अपने कार्य की जानकारी प्रस्तुत की। आगामी कार्ययोजना का चिंतन सभा में किया गया। क्षेत्रीय मंत्री जगदीन्द्र रायचौधुरी ने वार्षिक कार्यवृत्त प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष सीए विकास नागपुरिया ने ऑडिट रिपोर्ट एवं बजट प्रस्तुत किया। त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रो गंगा प्रसाद प्रसाई, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ. शंकर रॉय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी उपस्थित रहे। एम्स गुवाहाटी के

कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक समापन समारोह में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्वोत्तर अध्ययन मण्डल की स्मरणिका के रूप में प्रकाशित कॉफी टेबल बुक का भी अनावरण किया गया। आगामी तीन वर्षों के लिए नवीन कार्यकारिणी समिति गठित हुई। जिसके अध्यक्ष प्रो गंगा प्रसाद प्रसाई निर्वाचित हुए उन्होंने क्षेत्रीय मंत्री के रूप में डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधुरी एवं संरक्षक डॉ. निर्मल कुमार चौधुरी सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी की घोषणा की।

पांच मवेशी समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज पुलिस ने भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाके में अभियान चलाकर स्विफ्ट डिजायर कार से पांच मवेशियों को बरामद किया है। इस मामले में तीन मवेशी तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात चलाए गए अभियान के दौरान भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाके के नालिया से एक कार (एएस-01पीबी-4001) से पांच मवेशियों को बरामद किया गया। वहीं पशु तस्करी मामले में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मैनुल हक, कबीरूद्दीन शेख उर्फ गुडुर और अशरफुल हक के रूप में की गई है।

नगांव प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी समिति का गठन

नगांव (निसं)। रविवार को संपन्न हुए नगांव प्रेस क्लब के दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन के अंतिम चरण में रविवार को यादव सइकिया की अध्यक्षता वाली कार्यकारिणी समिति का कार्यकाल पूर्ण होने पर त्यागपत्र देने के बाद आयोजित साधारण सभा में नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमे जितेन बरकटकी को अध्यक्ष और निलोत्पल बोरा को सचिव मनोनीत किया गया। उन्नीस सदस्यो वाली समिति में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए जिसमे पलास प्रतीम हजारिका और बैद्यनाथ साहनी विजय होकर उपाध्यक्ष बने। कृष्ण सइकिया व वेदव्रत राजा सह सचिव, फाईजुर रहमान कोषाध्यक्ष, भास्कर ज्योति सइकिया पत्रिका सचिव, नाजिम उद्यीन अहमद प्रचार सचिव, टमास भुंया सांस्कृतिक सचिव, और लक्ष्य ज्योति बोरा कार्यकाल सचिव मनोनीत किए गएं है। इधर हेमेन कुमार दास, सफीकुर रहमान, बिरंची डेका, तपन कुमार बोरा, अजित कुमार सइकिया, मिंटू दास, भास्कर ज्योति बोरा और मोहिबुल्ला को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले के लामाजुया इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती देर रात करीमगंज की ओर जा रही डंपर (एएस-11सीसी-3684) के पीछे बाइक (एएस-10ए-1601) चालक ने जोरदार ठोकर मार दिया। जिसकी वजह से बाइक चालक कमरुल इस्लाम तापादार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय डंपर की बैक लाइट नहीं जल रही थी। जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। घटना के समय कमरुल इस्लाम प्रतिदिन की तरह रंगा बाजार स्थित अपनी दुकान को बंद कर घर जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

नगांव, समृद्धि शाखा का रक्तदान शिविर में जवानों ने किया रक्तदान

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा ने नगांव की एक अन्य संस्था जे सीआई के साथ मिलकर संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक बुधवार को खुटीकटिया स्थित जी डी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में आयोजित किया। सुबह 9:30 बजे रक्तदान शिविर का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। जिसका संचालन शाखा सचिव सपना पेड़ीवाल ने किया। इस अवसर पर 34 सीआर पी एफ बटालियन कातीमारी कैंप के चीफ कमांडेंट सुखबीर सिंह, जीडी हॉस्पिटल के विनोद मोर, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सरला जैन, सचिव ललिता बोथरा, मंच के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विवेक तोदी, मंडल ई के रक्तदान कोऑर्डिनेटर पंकज गाड़ोदिया, जेसीआई नागांव की अध्यक्ष गुंजन पोद्दार, सचिव मानसी अग्रवाल व कार्यक्रम संयोजक दीपिका सिंघी सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। समृद्धि शाखा की अध्यक्ष ममता सिंधी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। शिविर में कुछ समय नये रक्तदाताओं हेतु निर्धारित किया गया था। जिसमें कुल 10 नए रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। सीआरपीएफ के जवानों ने भी

रक्तदान में सहभागिता निभाई। रक्तदान शिविर के दौरान कुल 37 यूनिट रक्त संग्रह किया गया जिसे अस्पताल के ब्लड बैंक में जमा करवाया गया है। सभी रक्तदाताओं को शाखा की ओर से प्रशंसा सर्टिफिकेट प्रदान किए गए एवं रक्तदान के पश्चात एनर्जी ड्रिंक एवं आराम करने की की व्यवस्था की गई थी। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में रक्तदान संयोजिका रितिका मोर एवं कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। यह जानकारी समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा प्रेषित की गई है।

चेंगा : राभा दिवस के मौके पर चिकित्सक दिलावर हक को सम्मानित किया गया

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के बाघमाराचर गांव के निवासी जाने-माने चिकित्सक दिलावर हक फकीर को राभा दिवस के दिन सम्मानित करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। 20 जून को ग्वालपाड़ा कॉलेज के पर्यावरण कला भवन में आयोजित राभा दिवस कार्यक्रम में युवा डॉक्टर को सम्मानित किया गया। जिले के बाघमाराचर जैसी पिछड़ी जगह में जन्मे और वहां अपनी प्रवेश शिक्षा प्राप्त करने वाले डॉ. दिलावर हक फकीर ने नगरबेड़ा के बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज में हायर सेकेंडरी के विज्ञान खंड को पास करने के बाद असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़ से चिकित्सा विज्ञान में डिग्री प्राप्त की। बाद में, फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज, बरपेटा से हड्डी और अस्थि विभाग में अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद, उन्होंने हाल ही में ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल

में हड्डी और अस्थि विभाग में एक विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में कार्य किया। बहुत ही कम समय में एक अच्छी तरह से योग्य डॉक्टर के रूप में लोकप्रिय हुए डॉ. दिलावर हक फकीर को आईटीआई का अच्छा इलाज मिला और रोगी को नया जीवन मिल गया है।

आचार्य श्री तुलसी का 28वां महाप्रयाण दिवस मना

गुवाहाटी। अणुव्रत आंदोलन केप्रवर्तक राष्ट्रसंत आचार्य तुलसी का 28वां महाप्रयाण दिवस *महाप्राण गुरुदेव* के रूप में आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमार ने कहा कि आचार्य श्री तुलसी का विराट व्यक्तित्व जन-जन के लिए श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र बना रहा। वे कठोर अनुशास्ता और कुशल प्रशासक थे तो करुणा और वात्सल्य की अमृत वर्षा भी करते थे। वे प्रेरणा प्रदान करते रहते थे। कार्यकर्ता को प्रेरणा एवं मार्गदर्शन देकर कितने-कितने श्रावकों को तैयार किया। उन्होंने जो भी स्वप्न देखा उसे पूरा किया। छोटे-छोटे साधु-साध्वी को पढ़ाते उन्हें आगे बढ़ाया। पूरा जीवन अध्यापन कार्य में बीता। आगम संपादन का जटिल कार्य किया। मानव जाति के कल्याण के लिए अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान जैसे अनेक रचनात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय एकता और मानवीय एकता के लिए वे जीवन भर प्रयास करते रहे। अनेक राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। वे स्वयं एक उच्च स्तर के साहित्यकार, कवि और संगीतकार थे। समाज सुधार केक्षेत्र में उन्होंने बहुत कार्य किए। नवीनीकरण के माध्यम से समाज को विकास की गति प्रदान की। महाप्राण बनकर समाज में प्राण फूंके। साहित्य की धारा बहाकर देश को एक अमिट आलेख दिया। विरोधी व्यक्ति भी उनके कार्यों से प्रभावित हुए। शिवम बोथरा ने छोटी उम्र में लंबी तपस्या कर कर्मों की निर्जरा की है। श्रीमती संगीता बैद ने नौ का तप कर आत्मबल का परिचय दिया है। मुनि कुमुद कुमार ने कहा तेरापंथ संघ को तेजस्वी बनाने के

साथ जैनधर्म को विश्वभर में पहुंचाया। उनके दिए अवदान आज मानव जाति के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। उन्होंने नारा दिया *निज पर शासन फिर अनुशासन*। इस नारे को जीवन में आत्मसात किया। वे स्वयं में जागरूक रहकर समाज को जागृति का संदेश दिया। लंबे नेतृत्वकाल में संघ को गति प्रगति प्रदान की। मानव जाति को मानवता का संदेश दिया। आचार्य श्री तुलसी का जीवन मानव जाति के विकास का सेतु बन गया। आज के दिन शिवम बोथरा ने इक्कीस का तप एवं श्रीमती संगीता बैद ने नौ का तप भेंट अर्पण कर संयम का परिचय दिया है। स्थानीय महिलाओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सभा अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा, महिला मंडल से सुनीता गुजरानी, सुश्री सान्वी बोथरा, अभिलेखा-अभिषेक बैद, श्रीमती निर्मला बोथरा ने गीत एवं वक्तव्य के द्वारा प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मुनि कुमुद कुमार ने किया। इस आशय की जानकारी तेरापंथी सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन जम्मड़ ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

कलियाबर में कल्पना देवी आत्रेय के निबंध संग्रह का भव्य लोकार्पण

बहुभाषी कवि सम्मेलन में सभी कवियों ने लगाए चार चांद

विश्वनाथ/ कलियाबर (विभास)। कलियाबर के एक स्वतंत्रता सेनानी, भूमि आंदोलन की सदस्य, स्वर्गीय दधिराम उपाध्याय की परपोती और कलियाबर कॉलेज की सामाजिक कार्यकर्ता नारायण उपाध्याय और स्वर्गीय नीलिमा देवी की बेटी कलियाबर हातिखोवा के शिक्षिका तथा पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के महासचिव कल्पना देवी आत्रेय द्वारा निर्मित निबंध संग्रह का अनावरण किया गया। पुस्तक लोकार्पण का आयोजन कालियाबार के सोलंग में स्थित ग्रीन एशियान सभागृह में कलियाबर भानु समिति के सौजन्य में हुआ। सभा की अध्यक्षता भानु समिति के अध्यक्ष नर बहादुर छेत्री ने की। सभा के उद्देश्यों व्याख्या समिति के सचिव दिलीप खतीवड़ा ने किया। सभा की शुभारंभ भानु समिति के वरिष्ठ सलाहकार नारायण उपाध्याय ने नेपाली आदि कवि भानु भक्त आचार्य के चित्र पर माल्यार्पण और सामने दीप प्रज्वलित से हुआ। जिसमें क्रमशः काव्यश्री आत्रेय और उद्धव उपाध्याय द्वारा श्रीमद्भावगत गीता के पहले अध्याय के पाठ से हुआ। इसके बाद कलियाबर भानु समिति के कार्यकर्ताओं ने कलाकार पेंशन प्राप्त स्वर्गीय आरती नेवार द्वारा रचित और सुर दिया सामूहिक संगीत प्रस्तुत किया। साहित्यिक, वरिष्ठ आलोचक तथा असम नेपाली साहित्य

सभा के उपाध्यक्ष और 2016 में अनुवादित साहित्य के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता व (उन्होंने हिंदी पुस्तक *तलाश* का नेपाली में *खोज* शीर्षक के तहत अनुवाद किया) पुस्तक उद्घाटनकर्ता ज्ञान बहादुर छेत्री ने श्रीमती आत्रेय को पुस्तक लेखन का अपना अभ्यास जारी रखने को कहा और कलियाबर की भानु समिति की पहल की सराहना की। 2017 में अनुवाद साहित्य में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्तकर्ता चंद्र मणि उपाध्याय (जिन्होंने बिरिंची कुमार बरुवा के उपन्यास *जीवनर बात* का नेपाली में *जीवनको बटोमा* शीर्षक के तहत अनुवाद किया) ने निबंध विषय पर उपस्थित महानुभावों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस में बहुत अच्छे विषयों पर चर्चा में लाया गया। लेख वैदिक काल से लेकर वर्तमान तक भारत और असम में बौद्धिक महिलाओं के योगदान और विषय वस्तु पर केंद्रित यह निबंध पाठक वर्ग को सोचने पर मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि अब तक तीन पुस्तकें (जिनमें से एक अनुवाद है) लिखकर साहित्य जगत में योगदान देने वाली कल्पना देवी आत्रेय को अखिल भारतीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त के लिए सक्षम होगी। कालियाबर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर श्री उत्पल बोरा ने कहा कि यद्यपि वे नेपाली नहीं समझते हैं, लेकिन उद्घाटनकर्ताओं और समीक्षकों के शब्दों और टिप्पणियों से वे बता सकते हैं कि लेखों का संग्रह आध्यात्मिक और व्यावहारिक विषयों से भरा है। जो आज के समय के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी को इसको पढ़ने और उनसे लाभ उठाने की सलाह दी। आज के कार्यक्रम के दूसरे सत्र में बहुभाषी कवि समूह उपस्थित था। नेपाली मंदिर समिति के सचिव श्री भरत बोराल, हमरो स्वाभिमान की असम शाखा के अध्यक्ष श्री नारायण खातीवाड़ा की उपस्थिति में कवियों ने कविताएं पढ़ी/सुनाईं। डॉ. सबिता शर्मा, नबप्रभा अधिकारी, प्रज्ञा लुइटेल, रंजन दहाल, कमला देवी, प्रेम विश्वकर्मा, संतोष कुमार महतो, बेददीप उपाध्याय, महिम आचार्य, लाबनी देवी, डुलुमनी देवी, कल्पना छेत्री समेत विभिन्न जिलों से आये कवियों ने अपनी कविताएं पढ़ीं। सभा में कालियाबार भानु समिति सचिव थानेश्वर खनल ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामय सभा समापन हुआ।

संपादकीय

उपचुनावों का मांगपत्र

वोटों की मेरिट में तीन उपचुनाव और सियासत के दम पर सत्ता के प्रबंध को कौन नहीं देखना चाहेगा। जनता के लिए चुनाव एक मांगपत्र ही तो है, जहां नेता का प्रत्याशी बनने से लेकर मुद्दों का फरमाइशी बनना भी तसदीक होता है। यूं तो उपचुनाव नालागढ़ व हमीरपुर में भी हैं, लेकिन किश्तियां समुद्र की राह पर देहरा में ही चलेंगी। कल तक टिकट आबंटन पर मातम मना रहे डा. राजेश शर्मा आज अगर भीगी बिल्ली बने हैं, तो चुनाव के मांगपत्र में जीतने का उन्माद भरा है। एक और भीगी बिल्ली रमेश धवाला भी हैं, जो हर चुनाव की बेला में 'आल तू जलाल तू आई बला को टाल तू' सुनाना शुरू कर देते हैं। उपचुनाव की घोषणा मात्र से उनका मांगपत्र किसी गिलहरी की तरह बूटा-बूटा छानने लगता है और फिर भावुक और चाबुक इशारों में टिकट पाने की लालसा टपक पड़ती है। इस बार देहरा उपचुनाव के दो पिंजरे हैं। एक के ऊपर धवाला और दूसरे के ऊपर राजेश शर्मा लिखा है। जाहिर तौर पर भाजपा और कांग्रेस जिंदाबाद के नारों में ये दोनों अपनी-अपनी सल्तनत गंवा कर पिंजरों में बंद हैं। न अब धवाला के लिए कोई जगह है और न ही राजेश शर्मा के लिए राजनीति में कुछ बचा है। यह दीगर है कि सीधे मुकाबले की अंगुलियां अब टेढ़ी होकर घी निकालेंगी। यूं तो वर्षों से धवाला का मांगपत्र यहां टेढ़ा है और उन्हें जब आगे का रास्ता नहीं मिलता, तो जिला बनाने की मांग पर, आंखों में आए आंसू पोंछने लगते हैं। आंसू तो डाक्टर राजेश के भी फरेबी साबित हुए और अचानक आया रोग भी, लेकिन उनका मांगपत्र इस बार देहरा में आकर फट गया। दरअसल डा. राजेश शर्मा पिछले कई सालों 'चुनावी बैचलर' की तरह हर दरगाह को पूज रहे हैं, लेकिन इस दौड़ को अंततः देहरा में आकर विराम लग गया। यह कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे अहम समझौता है और डाक्टर के लिए आगे की शरणस्थली भी। बहरहाल देहरा आज 'तेरा कौन' की परिस्थितियों से उबर कर 'देहरा है मेरा' बन रहा है, तो यह हलका अब हल्का नहीं, मुख्यमंत्री का दूसरा घर, उपचुनावों का मायका और सरकार का ससुराल भी है। यहां मुख्यमंत्री की पादुकाएं पहनकर उपचुनाव आया है, इसलिए उम्मीदवार के रूप में कमलेश का नाम प्रतिष्ठित व सत्ता का पूरक है। दरअसल यहां उपचुनाव राजनीति का ऐसा अवार्ड है जो आने वाले वक्त को मुट्ठी में बंद कर सकता है। जिसके आगमन मात्र से दो बड़े आफिस खुशामद कर रहे हैं, वहां विजयी सत्ता का प्रारूप क्या होगा। देहरा अब जिला बनने की कसौटी से दो कदम दूर है, इस लिहाज से प्रचार हुआ तो भाजपा के पल्ले क्या पड़ेगा। यह दीगर है कि जिलों के खेल में प्रेम कुमार धूमल की भी एक बसी बसाई दुनिया रही है और उनके सुपुत्र अनुराग ठाकुर की कमाई में सेंट्रल यूनिवर्सिटी की पूरी जमात यहां आई है, फिर भी कांग्रेस की ओर से यह एक आसान सा मोर्चा बनता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा के लिए उपचुनावों का मांगपत्र इस बार कुछ थका हुआ एहसास कर रहा है। जाहिर तौर पर हमीरपुर-देहरा में सरकार के पास खुद में शक्तिशाली प्रचार और सामान है, जबकि भाजपा की हथेली पर निर्दलीयों का बोझ और मकसद पर अपनों को सिरदर्दी का मजमून है। उपचुनाव इस बार हस्तियों की छवि और उनके स्वरूप पर हुए तो काफी कुछ कहा और सुना जाएगा। कहीं परिवार हैं, कहीं परिवारवाद है, कहीं जाति है, तो कहीं सत्ता और विपक्ष का समुदाय है। प्रदेश इन उपचुनावों में अपने अनुभव को आजमाने जा रहा है। कोई सत्ता के साथ खड़ा होकर बड़ा होना चाहेगा, तो कोई विरोधी पक्ष में अपना लोकसभा का जोश दोहराना चाहेगा। भले इस बार एक वोट मोदी, एक वोट सुक्खू का नारा न लगे, लेकिन हिमाचल की स्थिर हो चुकी सरकार से कहीं फरियाद भी तो हो सकते हैं ये उपचुनाव।

> जनता के लिए चुनाव एक मांगपत्र ही तो है, जहां नेता का प्रत्याशी बनने से लेकर मुद्दों का फरमाइशी बनना भी तसदीक होता है। यूं तो उपचुनाव नालागढ़ व हमीरपुर में भी हैं, लेकिन किश्तियां समुद्र की राह पर देहरा में ही चलेंगी। कल तक टिकट आबंटन पर मातम मना रहे डा. राजेश शर्मा आज अगर भीगी बिल्ली बने हैं, तो चुनाव के मांगपत्र में जीतने का उन्माद भरा है। एक और भीगी बिल्ली रमेश धवाला भी हैं, जो हर चुनाव की बेला में 'आल तू जलाल तू आई बला को टाल तू' सुनाना शुरू कर देते हैं। उपचुनाव की घोषणा मात्र से उनका मांगपत्र किसी गिलहरी की तरह बूटा-बूटा छानने लगता है और फिर भावुक और चाबुक इशारों में टिकट पाने की लालसा टपक पड़ती है। इस बार देहरा उपचुनाव के दो पिंजरे हैं। एक के ऊपर धवाला और दूसरे के ऊपर राजेश शर्मा लिखा है। जाहिर तौर पर भाजपा और कांग्रेस जिंदाबाद के नारों में ये दोनों अपनी-अपनी सल्तनत गंवा कर पिंजरों में बंद हैं। न अब धवाला के लिए कोई जगह है और न ही राजेश शर्मा के लिए राजनीति में कुछ बचा है। यह दीगर है कि सीधे मुकाबले की अंगुलियां अब टेढ़ी होकर घी निकालेंगी। यूं तो वर्षों से धवाला का मांगपत्र यहां टेढ़ा है और उन्हें जब आगे का रास्ता नहीं मिलता, तो जिला बनाने की मांग पर, आंखों में आए आंसू पोंछने लगते हैं।

अगले पांच वर्षों के दौरान विकास और इक्विटी रिटर्न प्रभावित होगी

सेंसेक्स और आर्थिक अहमियत की ऊंचाई

डा. जयंतीलाल भंडारी

> वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है और 20 जून को बीएसई सेंसेक्स 77479 अंकों की सर्वकालिक नई ऊंचाई पर बंद हुआ है और अब कुछ घट-बढ़ के साथ शेयर बाजार की अच्छी संभावनाएं बनी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों 13 से 15 जून के बीच इटली में आयोजित जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष रूप से आमंत्रित भारत की प्रभावी अहमियत दिखाई दी है और यूरोपीय देशों ने भारत को प्राथमिकता दिए जाने के संकेत दिए हैं। गौरतलब है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी भारत के शेयर बाजार और भारत की विकास दर के बढ़ते नए अनुमान प्रस्तुत किए हैं।

इन दिनों प्रकाशित हो रही दुनिया की प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और आर्थिक संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई गठबंधन सरकार के द्वारा आर्थिक नीतियों, आर्थिक सुधारों और विकास की डगर पर तेजी से आगे बढने के रणनीतिक कदमों से भारत की विकास दर में वृद्धि, शेयर बाजार की नई ऊंचाई तथा वैश्विक परिदृश्य पर भारत की आर्थिक अहमियत बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। जहां एक ओर हाल ही में 18 जून को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है और 20 जून को बीएसई सेंसेक्स 77479 अंकों की सर्वकालिक नई ऊंचाई पर बंद हुआ है और अब कुछ घट-बढ़ के साथ शेयर बाजार की अच्छी संभावनाएं बनी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों 13 से 15 जून के बीच इटली में आयोजित जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष रूप से आमंत्रित भारत की प्रभावी अहमियत दिखाई दी है और यूरोपीय देशों ने भारत को प्राथमिकता दिए जाने के संकेत दिए हैं। गौरतलब है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी भारत के शेयर बाजार और भारत की विकास दर के बढ़ते नए अनुमान प्रस्तुत किए हैं। कहा गया है कि बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि नीतिगत सुधार जारी रहेंगे। इससे अगले पांच वर्षों के दौरान विकास और इक्विटी रिटर्न प्रभावित होगी। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि सरकार महंगाई की आक्रामकता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। मूडीज ने अगले एक वर्ष में भारतीय शेयर बाजारों का प्रदर्शन सकारात्मक रहने का अनुमान जताया है और कहा है कि अगले 12 महीनों के दौरान बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 82 हजार के स्तर के पार जा सकता है और इसमें मौजूदा स्तर से 14 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इन सबके साथ-साथ रिपोर्ट में आने वाले दिनों में और अधिक संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद की गई है। कहा गया है कि 2025-26 तक आय वृद्धि पूर्वानुमान के साथ कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो आम सहमति से 500 आधार अंक या पांच प्रतिशत अधिक है। इतना ही नहीं, दुनिया में अगला दशक भारत का होगा। वैश्विक वृद्धि में भारत की भागीदारी करीब 20 प्रतिशत होगी। दुनिया भर में भारत की सेवाओं और वस्तुओं की बढ़ती मांग से इसमें मदद मिलेगी। इससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग में

वृद्धि होगी। साथ ही देश के उन्नत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय शेयर बाजार की ऊंचाई का लाभप्रद नया रिकॉर्ड बना है। जहां भारत के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण अब बढक़र 5.21 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, वहीं हांगकांग के शेयर बाजार का पूंजीकरण घटकर 5.17 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। ऐसे में भारत ने बाजार पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को एक बार फिर पछाड़ दिया है और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। स्थिति यह है कि देश की नई सरकार से देश और दुनिया में विकास व सुधारों की उम्मीद बढ़ी है। पिछले दिनों दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेज आर्थिक सुधार और बढ़ती राजकोषीय मजबूती के मद्देनजर भारत की रेटिंग को स्थिर यानी स्टेबल से बदलकर पॉजिटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि पिछले तीन साल में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत वास्तविक वृद्धि दर 8.1 फीसदी सालाना रही है और अब यह विकास दर अगले तीन साल में लगातार 7 फीसदी के करीब होगी। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार की वैश्विक आर्थिक अहमियत पिछले दिनों 13 से 15 जून के बीच एक बार फिर दुनिया के सात प्रमुख विकसित देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में दिखाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली में आयोजित जी-7 देशों की 50वीं शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। भारत उन 12 देशों और पांच संगठनों में शामिल था जिन्हें इटली में जी-7 कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। मोदी के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में जी-7 बैठक एक बेहतर वैश्विक मंच साबित हुई है। इस सम्मेलन के दौरान मोदी ने कई प्रभावी बातें कहीं। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में एकाधिकार खत्म करने की भी मांग की, साथ ही हरित युग को अपनाने की अपील की है। इस मौके पर उन्होंने दुनिया के प्रमुख नेताओं से जो द्विपक्षीय बातचीत की, उसके भी अच्छे परिणाम दिखे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेंस्की के साथ मुलाकात करके मोदी ने कहा कि यूक्रेन के द्वारा रूस के साथ युद्ध को बातचीत और कूटनीति के जरिए हल करना ही बेहतर है। इस सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली, फ्रांस, जापान और इंग्लैंड के राष्ट्र प्रमुखों से द्विपक्षीय वार्ताएं भी की। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के लिए सबसे ठोस लाभ जी-7 की उस प्रतिबद्धता से उपजा, जिसमें कहा गया कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इस गलियारे के निर्माण की घोषणा गत वर्ष भारत में जी-20 शिखर बैठक के समय की गई थी। जी-7 सम्मेलन में कहा गया है कि खास तौर पर आईएमईसी को मूर्तरूप देने के लिए समन्वय और वित्तपोषण पर जोर दिया जाएगा। ज्ञातव्य है कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सडक़, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है, ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके। आईएमईसी को समान विचारधारा वाले देशों ने चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के समक्ष रणनीतिक प्रभाव हासिल करने की पहल के रूप में पेश किया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की बढ़ी अहमियत से चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में और अधिक उभरकर सामने आएगा। अब नई गठबंधन सरकार निर्यात बढ़ाने और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने की अच्छी संभावनाएं रखती है। निश्चित रूप से इस समय घटते हुए वैश्विक निर्यात और घटते हुए वैश्विक व्यापार के बीच भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में उच्चतम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 776.68 अरब डॉलर रहा है।

दृष्टि कोण

वन विभाग को व्यापक रणनीति की जरूरत

वनाग्नि विश्वव्यापी समस्या है। दुनिया के कई हिस्सों में भीषण आग लगने से धरती पर जंगलों को भारी नुकसान हो रहा है। वनाग्नि के पीछे जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर जंगलों में लगी आग के विषय पर भी विश्व स्तर पर चर्चा होनी चाहिए तथा विश्व वन सुरक्षा दिवस मनाना चाहिए। भारत में हिमाचल, नागालैंड, मणिपुर सीमा, मध्य ओडीसा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दक्षिणी छत्तीसगढ़, पश्चिम महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जंगली क्षेत्रों में आग का सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। भारत में 36 प्रतिशत जंगलों में बार-बार आग लगती है। चार प्रतिशत जंगल ऐसे हैं जो गंभीर रूप से आग लगने वाले हैं। हर वर्ष गर्मी का मौसम शुरू होते ही हिमाचल प्रदेश के जंगलों में आग लगने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस वर्ष शुष्क मौसम एवं कम बारिश होने के कारण वनाग्नि की ज्यादा घटनाएं हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश का 27,73 प्रतिशत भूभाग वन क्षेत्र में है जिसमें 2769.62 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में चीड़ के वन हैं। ये चीड़ के वन आग के लिए ज्यादा संवेदनशील होते हैं। हिमाचल में कुल 2026 वन बीट हैं, इनमें से 339 अति संवेदनशील, 667 संवेदनशील तथा शेष 1020 कम संवेदनशील हैं। इस वर्ष वनाग्नि के सीजन में मंडी, धर्मशाला, हमीरपुर, नाहन, सोलन, बिलासपुर, शिमला, चम्बा, रामपुर, कुल्लू वृत्त, सिरमौर के पच्छाद, नैना टिक्कर के वन क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। चौपाल के नेरवा में एक व्यक्ति के खिलाफ थाने में धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया गया। वह बार-बार जंगल में आग लगा रहा था। सोलन के डगशाई के जंगलों में लगी आग से कई हेक्टेयर वन जमीन में आग लगी। डलहौजी के जंगलों में लगी आग की चपेट में सरकारी दफ्तर भी आ गया। आग बुझाने के लिए वायु सेना की मदद ली गई। हिमाचल में इस वर्ष 12 जून तक 1767 वनाग्नि के मामले हुए और 18530 हेक्टेयर वन संपदा राख हुई। वन्य प्राणियों का कोई लेखा-जोखा वन विभाग ने प्रकाशित नहीं किया। कई जगह तो घरों, बागीचों, स्कूलों तथा सरकारी दफ्तर आदि को भी वनाग्नि से काफी नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा आग की घटनाओं से प्रभावित धर्मशाला, मंडी और हमीरपुर सर्कल हैं, क्योंकि यहां चीड़ के जंगल हैं। हिमाचल के वनों में लगी आग से ऐसा लगता है कि वन विभाग ने कोई कारगर योजना वनाग्नि से निपटने के लिए नहीं बनाई है। वन विभाग 1767 वनाग्नि की घटनाओं के बावजूद अभी भी वनाग्नि को बुझाने के लिए बारिश के इंतजार में है। वनाग्नि को रोकने के लिए वन विभाग के पास बजट की कमी है। दूसरी तरफ सरकार पर्यावरण दिवस तथा वन महोत्सव मनाने के लिए लाखों रुपए खर्च करती है। वन विभाग को वनाग्नि से निपटने के लिए कारगर योजना बनाकर इसका कार्यान्वयन करना चाहिए ताकि महत्वपूर्ण ईकोसिस्टम को बचाया जा सके। हिमाचल सरकार को इस ओर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि हिमाचल में पर्यटन प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यावरण पर निर्भर करता है। साधारणतया वनाग्नि के मुख्य कारण हैं : प्राकृतिक रूप से बिजली गिरना, कोयले जलने की वजह, बीड़ी-सिगरेट पीने वालों की भूल तथा जानबूझकर जंगलों को आग लगाना आदि। ज्यादा गर्मी और शुष्क मौसम के कारण भी वनों में आग लग रही है। वनाग्नि का एक और कारण है, सरकारी एवं वन विभाग की जमीन जिसकी सीमा वनों के साथ लगती है। इस जमीन पर लोगों ने अवैध कब्जे किए हैं। न्यायालयों ने अवैध कब्जे हटाने के आदेश दिए हैं परंतु सरकार और वन विभाग ये जमीनें वापस नहीं ले पा रहे हैं। ये अवैध कब्जाधारी ही इस जमीन पर घास/झाडियां आदि जलाने के लिए आग लगाते हैं, ताकि बरसात में घास अधिक हो। यही आग साथ लगते जंगलों में फैल जाती है। कई बार ये लोग साथ लगते वनों में जानबूझकर आग को लगाते हैं। 95 प्रतिशत से अधिक जंगल की आग जानबूझकर एवं इनसानी लापरवाही के कारण लगती है। जंगल की आग विभिन्न तरह से प्रभावित करती है जैसे, अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना, मिट्टी कटाव का खतरा बढ़ जाना, वातावरण को प्रदूषित करना, स्वास्थ्य सम्बन्धित स्मस्याएं, पेड़ों के नुकसान से जलवायु परिस्थितियां बाधित होना, बहुत से जंगली जानवरों का बच्चे देने का सीजन भी प्रभावित होता है। कई जानवरों की मौत कुछ जानवरों का शहर की तरफ भागना, वनस्पति तथा जीवों का नष्ट होना, मिट्टी की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पडऩा, आग से जंगलों में बीज बैंक को क्षति पहुंचती है तथा अंकुर और पौधे नष्ट हो जाते हैं। जंगली आग जानवरों के प्रजनन जोड़े की अखंडता को लंबे समय के लिए प्रभावित करती है।

कुछ अलग

आदमयुगीन बर्बरता

यह अमानवीय कृत्य तार्किकता से परे है कि बेटियों को निर्ममता से इसलिये मार दिया जाए कि उन्होंने अपनी मर्जी के जीवनसाथी के साथ अपनी नई दुनिया बसाने का फैसला ले लिया है। निस्संदेह, मां-बाप बड़े अरमानों से जिगर के टुकड़े को पालते-पोसते हैं। उनके भविष्य व वैवाहिक जीवन को लेकर उनके भी सपने होते हैं। लेकिन जब 21वीं सदी में उम्मीदों के नये आकाश तलाशती बेटियों के कदम दैहिक आकर्षण व सुकोमल अहसासों के चलते मनमर्जी की दिशा में बढ़ने लगते हैं तो उसके लिये मरने-मिटने वाले परिजन क्रूरता से उसका जीवन खत्म कर देते हैं। निस्संदेह, सदियों पुरानी रूढ़ियों व जातीय ग्रंथियों वाला हमारे समाज का एक तबका पूर्वाग्रहों से मुक्त नहीं हो पा रहा है। उसके परिवारिक निर्णय आज भी समाज में लोकलाज और कथित शान के नजरिये से प्रभावित होते हैं। यह समझ से परे है कि जिस हरियाणा की बेटियां तमाम खेलों में सोने के तमगे बटोरने से लेकर एवरेस्ट की चोटियों की ऊंचाइयां बार-बार नाप रही हैं, उस समाज में बेटियों को लेकर ये दकियानूसी सोच क्यों है? क्यों बहन की रक्षा के लिये राखी बंधवाने वाला भाई आवेश में उसकी जान ले लेता है? वो कितना भयानक मंजर होगा जब बहन भाई को हत्यारे के रूप में आता देखती होगी? निश्चय ही इक्कीसवीं सदी में कथित ऑनर किलिंग की घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा ही है। देश-दुनिया में ऐसी क्रूरता का कोई अच्छा संदेश नहीं जाता। प्रगतिशील सोच की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से तीन तरफ से जुड़े हरियाणा में सोलहवीं सदी की सोच क्यों जीवित हो रही है यह समाज विज्ञानियों के लिये विचारणीय प्रश्न है। इसके बावजूद जीवन के तमाम क्षेत्रों में हरियाणा ने नये मानक स्थापित किये हैं। लेकिन सिरसा की सरबजीत कौर और कैथल की कोमल रानी की दिल दहला देने वाली हत्याएं हजार सवाल पूछती हैं। भले मां-बाप की दृष्टि में जीवन साथी चुनने में उन्होंने गलती की हो, लेकिन इस पर आदिम युगीन दंड उससे बड़ा अपराध है। बहरहाल, इस घटनाक्रम के आलोक में यह विरोधाभास भी सामने आता है कि जो राज्य अपनी महिला खिलाड़ियों, विशेषकर पहलवानों के लिये दुनियाभर में प्रसिद्ध है, उस समाज में कुछ बेटियों को लैंगिक अन्याय का दंश क्यों झेलना पड़ रहा है। वह भी उस हरियाणा में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की शुरुआत की थी। पूरे देश में इस मुहिम को सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला। इस मुहिम का मकसद राज्य में शिशु लिंगानुपात में सुधार करना और नारी सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था। निश्चित रूप से पिछले वर्षों में राज्य में जन्म के समय के लिंगानुपात के आंकड़ों में सुधार भी आया। जो हरियाणा लिंगभेद के लिए सवालों के घेरे में था, वहां यह अनुपात नौ सौ का आंकड़ा भी पार कर गया। लेकिन इसके बावजूद सामाजिक परिवर्तन के दीर्घकालीन लक्ष्य पाने में सफलता नहीं मिली, विशेष रूप से ग्रामीण हरियाणा में। दरअसल, राज्य में एक तबके में पितृसत्तात्मक मानसिकता की जड़ें खासी गहरी हैं। जो ग्रामीण समाज में लड़कियों के जीवन पर लगातार नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। ये वही हरियाणा है जिसके बीबीपुर गांव में नौ साल पहले तत्कालीन सरपंच सुनील जागलान ने 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान की शुरुआत की थी। जिसकी शेष देश में ही नहीं विदेशों में भी खासी चर्चा हुई थी। तमाम माता-पिताओं ने बताने का प्रयास किया था कि उन्हें अपनी बेटियों पर गर्व है। निश्चित रूप से ऐसे प्रगतिशील कदम समाज की सोच में बदलाव के लिये उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। ऐसी एक नहीं तमाम प्रगतिशील पहलों के लिये प्रयास होने चाहिए। बहरहाल, जिस हरियाणा की बेटियां तमाम वैश्विक स्पर्धाओं में सफलता के नये आयाम स्थापित कर रही हैं।

देश दुनीया से

भारत को पूर्णकालिक सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाए

> प्रधानमंत्री मोदी के साथ इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी की भरमार है। वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं-मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग- अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है। उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी की भरमार है। वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं- मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग- अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है। उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया। संक्षेप में कहें, तो उनके प्रति काफी सम्मान और शिष्टाचार दर्शाया गया। और हो भी क्यों नहीं? अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों तथा ब्रिटिश एवं कनाडा के प्रधानमंत्रियों (जनमत सर्वेक्षणों में जिनकी लोकप्रियता घट गई है और अनिश्चित राजनीतिक भविष्य का सामना कर रहे हैं) की तुलना में मोदी ने भारत में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया है, हालांकि उनकी अपनी पार्टी लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे मुद्दे उठाए, जो न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। एआई और ऊर्जा, अफ्रीका एवं भूमध्यसागर पर जी-7 के आउटरीच सेशन में उन्होंने कई विषयों पर प्रकाश डाला, मुख्य रूप से मानव प्रगति में प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रौद्योगिकी के उदय ने साइबर सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि की है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अपनी विकास यात्रा के लिए किस तरह से एआई का लाभ उठा रहा है। यह जरूरी है कि एआई पारदर्शी, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बना रहे। जहां तक ऊर्जा का सवाल है, भारत का दृष्टिकोण उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम निर्धारित समय से पहले अपनी कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। भारत लाइफ (एलआईएफई) मिशन के सिद्धांतों के आधार पर हरित युग की शुरुआत करने के लिए काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने धरती को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि समय से पहले कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाला भारत पहला देश होगा और यह 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। सितंबर, 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी यूनियन को उसका पूर्ण सदस्य बनवाने के भारत के प्रयासों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ की भलाई के लिए बोलने और विश्व मंच पर अपनी प्राथमिकताओं और चिंताओं को व्यक्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने भारत-प्रशांत और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की आशा व्यक्त की। पिछले दो दशक से ज्यादा समय से हम सुन रहे हैं कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जन्मी मौजूदा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) आज दुनिया की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाती और उसकी समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यही बात जी-7 के साथ लागू होती है, जिसकी स्थापना 1975 में दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक लोकतंत्रों (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान) के एक अनौपचारिक समूह के रूप में तेल संकट, वित्तीय संकट और मंदी से निपटने के लिए की गई थी। इस समूह में कनाडा 1975 में शामिल हुआ। इसका न तो मुख्यालय है, न सचिवालय और न ही चार्टर। इसकी अध्यक्षता बारी-बारी से हर साल सदस्य देशों द्वारा की जाती है। मौजूदा अध्यक्ष एजेंडा निर्धारित करता है और गैर-सदस्य देशों को उचित समझकर आमंत्रित करता है। पिछले कुछ वर्षों में मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक चिंताओं के अलावा जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रवासन जैसे कई मुद्दे जी-7 की चर्चाओं में प्रमुखता से शामिल रहे हैं। जी-7 देशों की कुल जीडीपी, जो विश्व की जनसंख्या का मात्र 10 फीसदी है, 463 खरब डॉलर है।

आप का नजरीया

लाखों मौतों की जवाबदेही

यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति-नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। दरअसल, अनियोजित कॉलोनियों व बहुमंजिली इमारतों के निर्माण से हवा का वह स्वाभाविक प्रवाह बाधित हुआ है जो वायु प्रदूषण रोकने में मददगार होता था। दीवाली के आसपास पराली जलाने का ठीकरा किसानों के सिरों पर फोड़कर प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही से मुक्त होने का जो उपक्रम होता है, वह जगजाहिर है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से वर्ष 2021 में जिन 21 लाख लोगों की मौत होने का जिक्र है, दुर्भाग्य से उनमें 1,69,400 बच्चे हैं। जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका शारीरिक विकास भी सही से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगी मोदी सरकार : केशव

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरेंद्र मोदी को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं दी है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में मोदी सरकार देश व प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगी। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी नरेंद्र मोदी को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं दी हैं।

जजपा का भाजपा में नहीं होगा विलय : दुष्यंत चौटाला

दुष्यंत ने दी चेतावनी, अफवाहें फैलाने वालों पर करेंगे कानूनी कार्रवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। जननायक जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने जजपा के भाजपा में विलय की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि कुछ लोग इस बारे में जानबूझकर अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में जजपा का भाजपा में विलय नहीं किया जाएगा। दरअसल, वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत न मिलने पर जजपा ने अपने दस विधायकों के साथ भाजपा को समर्थन दिया था। इसी साल 12 मार्च को अचानक मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया तो यह गठबंधन टूट गया। हरियाणा में रविवार व सोमवार को कुछ टीवी चैनलों तथा सोशल मीडिया यह खबर छाई रही कि जल्द ही जननायक जनता पार्टी का भाजपा में विलय

होने जा रहा है। उस रिपोर्ट में दावा किया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की दिल्ली में मीटिंग हो चुकी है। साथ ही राज्यसभा कोटे से दुष्यंत को केंद्र में बड़ा पद और उनके भाई दिग्विजय चौटाला को हरियाणा संगठन में अहम जिम्मेदारी मिल सकती हैं। इन खबरों के बाद दुष्यंत चौटाला खुद सामने आए और उन्होंने ट्वीट करके इस बारे में साफ किया कि जननायक जनता पार्टी के बारे में एक भ्रामक और आधारहीन खबर एक समाचार पत्र और एक टीवी चैनल पर प्रचारित की गई है। पार्टी ऐसी गलत खबर का पूर्णत: खंडन करती है और खबर फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी नोटिस भेजा जा रहा है। वहीं दुष्यंत चौटाला ने एक्स पर लिखा कि मैं जजपा से जुड़ी एक बेबुनियाद खबर को कई प्लेटफॉर्म पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से फैलाए जाने से बेहद निराश और गुस्से में हूं। हमारी पार्टी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। सत्य की जीत होनी ही चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी सरकार, नहीं जाएगी किसी की नौकरी : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा सरकार की याचिका खारिज होने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऐलान किया कि प्रदेश सरकार किसी भी युवा की नौकरी नहीं जाने देगी। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी। साथ ही विधानसभा में विधेयक लाने पर भी मंथन किया जा रहा है। कानूनी माहिरों की टीम ने अगली रणनीति पर मंथन शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि एक भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। साथ ही इस साल 50 हजार पदों पर भर्तियों की प्रतिबद्धता दोहराई। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग और एडवोकेट जनरल से मामले की पूरी रिपोर्ट लेने के बाद नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नौकरियों से वंचित, अनाथ, विधवाओं, विमुक्त और घुमंतू जातियों तथा गरीब परिवारों के युवाओं के लिए वर्ष 2018 में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पर अतिरिक्त अंक देने की जो व्यवस्था शुरू की थी, उससे हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी के 13 हजार 657 पदों के लिए आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) में कुल 13 लाख 50 हजार युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से करीब साढ़े नौ लाख युवाओं ने सीईटी दिया, जिनमें से चार लाख 20 हजार युवाओं ने क्वालीफाई किया। 11 हजार पदों पर चयनित युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक आधार के अंक नहीं लिए हैं, जिससे उनकी नौकरी को कोई खतरा नहीं है। चतुर्थ श्रेणी पदों के लिए 2657 युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक आधार के पांच अंकों के सहारे मेरिट में जगह बनाई है, लेकिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने उनका रिजल्ट रोका हुआ है। ऐसे में एक भी युवा कर्मचारी को नौकरी से हटाने का सवाल ही नहीं उठता। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृतीय श्रेणी पदों के सब ग्रुप नंबर एक और दो में जेई और ड्राफ्ट्समैन के दो हजार टेक्निकल पद शामिल हैं। करीब 10 हजार युवाओं ने इन पदों के लिए परीक्षा दी। नियमानुसार कुल पदों के चार गुणा उम्मीदवारों को अगली परीक्षा में बुलाना होता है, जबकि इतनी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा पास नहीं कर पाए। ऐसे में इन परीक्षार्थियों के परिणाम पर भी सामाजिक-आर्थिक आधार के अंक वापस होने का कोई असर नहीं होगा और किसी को हटाने की गुंजाइश नहीं है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेसी युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं। हमारी सरकार ने बिना पर्ची-खर्ची के गरीब और वंचित परिवारों के युवाओं को नौकरियां सुनिश्चित की हैं, जबकि कांग्रेस सरकार में नौकरियों की बोली लगती थी।

कड़ी धूप में पानी के लिए अलवर में महिलाओं ने लगाया जाम, आश्वासन के बाद खोला रास्ता

अलवर (हिंस)। अलवर शहर में पानी की समस्या ने विकराल रूप ले रखा हैं। रोजाना पानी के लिए लोग रोड जाम कर विरोध करने को मजबूर हो रहे हैं। सोमवार को भी चिलचिलाती धूप में वार्ड नंबर 4 की महिलाओं ने पानी की मांग को लेकर स्कीम नंबर 10 के कट पर जाम लगा दिया। जाम लगा महिलाओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई बार महिलाओं और वाहन चालकों की नोकझोंक भी हुई। जाम की सूचना पर जलदाय विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आश्वासन देकर जाम खुलवाया। पार्षद सरोज जाटव ने बताया कि वार्ड के कई मोहल्लो में पानी की समस्या बनी हुई है। कई बार शिकायत कर चुके, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। तीन दिन में एक बार टैंकर से पानी आता हैं। जिसमें भी एक ड्रम पानी मिलता हैं। ऐसे में कैसे गुजारा हो। परेशान महिलाओं के साथ आज मजबूरन जाम लगाना पड़ा। जलदाय विभाग के अधिकारियो ने पांच दिन का आश्वासन दिया हैं। अगर पांच दिन में समाधान नहीं होता हैं तो दुबारा जाम लगाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाएं मौजूद रहीं।

सेना भर्ती रैली उदयपुर में एक जुलाई से शुरू

जयपुर (हिंस)। वर्ष 2024-25 के लिए भर्ती क्षेत्र राजस्थान की भर्ती रैलियां भर्ती क्षेत्र, कोटा की सेना भर्ती रैली के साथ शुरू होगी। जो कि एक जुलाई से 10 जुलाई तक उदयपुर के महाराणा प्रताप खेल गांव में आयोजित की जाएगी। यह रैली अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, भीलवाड़ा, शाहपुरा, उदयपुर, सालुम्बर, सवाई माधोपुर, गंगानगर सिटी, करौली, टोंक, राजसमंद, झालावाड़, डूंगरपुर, दौसा, बांसवाड़ा, पाली, बारां, प्रतापगढ़, कोटा, चितोड़गढ़ और बूंदी जिलों के लिए होगी। कॉमन एंट्रेन्स एग्जाम 2024 में शामिल 8000 से अधिक अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता के आधार पर इस रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क/एसकेटी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वी पास और 10वी पास) श्रेणियों के लिए काल-अप जारी किया गया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को वूमेन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर इंडिया सम्मान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को वूमेन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया के सम्मान से आईटीबी बर्लिन जर्मनी में सम्मानित किया जाएगा। वहीं आईटीबी बर्लिन जर्मनी में ही राजस्थान को डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर रॉयल एक्सपिरिएंसेस के लिए पटवा इंटरनेशनल ट्रैवल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार, केंश्स्त्रद्ध सरकार की मंशानुरूप कार्य करते हुए राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। इसी के फलस्वरूप पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) के द्वारा राजस्थान को डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर रॉयल एक्सपिरिएंसेस के लिए वर्ष 2024 सम्मान के लिए चयनित किया गया है। यह अवार्ड पटवा के द्वारा आईटीबी बर्लिन 2025 में दिए जाएंगे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा आईटीबी बर्लिन जर्मनी मार्ट में प्रतिवर्ष भाग लिया जाता है। गत वर्ष पर्यटन विभाग द्वारा प्रतिनिधि दल के साथ भाग लिया गया तथा जर्मनी एवं यूरोप के ट्रैवल एजेंटस के सामने राजस्थान के रॉयल एक्सपिरिएंसेज तथा पर्यटन

उत्पादों की बेहतरीन ब्रांडिंग की गई। जर्मनी में स्थित भारतीय दूतावास में भी यूरोप और जर्मनी के ट्रैवल टूर ऑपरेटर्स के साथ विशेष सत्र का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान पर्यटन के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया। यह गतिविधि अत्यधिक प्रभावशाली रही और यूरोपीय टूर ऑपरेटर्स ने राजस्थान में अधिक से अधिक पर्यटकों को भेजने की मंशा जाहिर की। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौ? ने बताया कि राजस्थान पर्यटन के विभिन्न पहलुओं की देश और दुनिया में ब्रांडिंग उपमुख्यमंत्री पर्यटन दिया कुमारी के नेतृत्व में सघनता से की जा रही है। राजस्थान जयपुर में हाल ही में सफलतापूर्वक ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार का आयोजन किया गया है। आईजीटीबी का विदेशी टूर ऑपरेटर्स के द्वारा बेहतरीन रिस्पांस मिल रहा है। इसी प्रकार राजस्थान जयपुर में वेड इन इंडिया एक्सपो आयोजित कर राजस्थान की वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में ब्रांडिंग की गई है। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए लगातार नियमित रूप से गतिविधियों के माध्यम से सफलता पूर्वक प्रयास किए जा रहे हैं। उक्त प्रयासों के तहत ही राजस्थान पर्यटन की विदेशी ट्रैवल मार्ट व ट्रेड फेयर में सशक्त उपस्थिति का परिणाम है कि राज्य में विदेशी सैलानियों का रुझान बढ़ा है और संख्या में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में 328.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि विदेशी सैलानियों की यह संख्या ही विश्व में राजस्थान के पर्यटन के महत्व को बताने के लिए पर्याप्त है। घरेलू पर्यटकों की संख्या में भी 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023 में राजस्थान घूमने आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या 18 करोड़ 7 लाख 51 हजार 794 रही।

भाजपा की मनमर्जी से लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर : सुरजेवाला

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर 20 लाख से अधिक नौजवानों की जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुरजेवाला ने सोमवार को यहां एक बयान जारी कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नौजवान अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप डी भर्ती में कुल पद 13, 657 हैं, जिसके लिए 13 लाख 50 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया हैं। इसके लिए सीईटी की मैरिट के आधार पर चयन किया गया, जिसमें सोश्यो-इकोनॉमिक आधार के पांच अंक भी जोड़े गए। करीब 11, 000 युवाओं ने नौकरी ज्वाइन कर ली और 2, 657 युवाओं ने अभी ज्वाइनिंग रिपोर्ट नहीं दी है। अब इन सब युवाओं की नौकरियों पर बर्खास्तगी की तलवार लटक गई है। ग्रुप सी के सबग्रुप नंबर 1 व 2 में टेक्निकल पोस्ट जेई, ड्राफ्ट्समैन आदि शामिल हैं। लगभग 10 हजार से अधिक युवाओं ने दो हजार पदों के लिए पेपर दिया था। इसमें सीईटी प्रिलिमिनरी क्वालिफाइंग एग्जाम था, जिसका रिजल्ट सोश्यो-इकोनॉमिक के पांच नंबरों के आधार पर बनाया गया। क्वालिफाइड बच्चों का फिर एक और एग्जाम लिया। इन बच्चों की नौकरियों पर भी अब बर्खास्तगी की तलवार लटक गई है। इसी प्रकार ग्रुप सी के सब ग्रुप 56 व 57 में कुल 12 हजार पद थे। ग्रुप नंबर 56 में योग्यता ग्रेजुएशन व ग्रुप नंबर 57 में योग्यता 12वीं पास थी। इन ग्रुप्स का एग्जाम सोशो-इकोनॉमिक के 5 नंबर जोड़कर निकाला गया है। अब यह परीक्षा रद्द की जाएगी और लाखों युवाओं का भविष्य एक बार फिर अधर में लटक जाएगा। इसी प्रकार टीजीटी अध्यापकों के 7441 पदों का मामला कोर्ट में लंबित है। जिसका परिणाम दो तरह के अंकों के आधार पर निकाला गया है। सुरजेवाला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ग्रुप डी में 13 लाख 50 हजार तथा ग्रुप सी में 11 लाख अभ्यर्थियों का भविष्य बर्बाद करने के लिए हरियाणा सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार है।

ग्राम पंचायतों में पुस्तकालय खोलने और संविधान केंद्र बनाने का फैसला बदलने को गहलोत ने बताया अदूरदर्शी निर्णय

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी पुस्तकालय एवं संविधान केंद्र बनाने के फैसले को बदलने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं अदूरदर्शी फैसला है। उन्होंने लिखा कि हमारी सरकार ने राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी पुस्तकालय एवं

संविधान केंद्र बनाने का फैसला किया था जिससे राजस्थान में भी केरल जैसा लाइब्रेरी मूवमेंट चल सके और राजस्थान में बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग सभी वर्गों में ज्ञान का प्रसार हो सके। लेकिन वर्तमान सरकार ने इस योजना को बंद करने का फैसला किया है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं अदूरदर्शी फैसला है। उन्होंने लिखा कि क्या राजस्थान के हर ग्राम पंचायत में लाइब्रेरी खोले जाने से किसी को भी कैसे आपत्ति हो सकती है? मुख्यमंत्री भजनलाल को इस पर ध्यान देना चाहिए कि किस तरह सभी के हित और राजस्थान के भविष्य की योजनाओं को बंद किया जा रहा है।

जिला प्रमुख फंसे जाम में तो महिलाओं से बात कर निकाला वाहन

अलवर (हिंस)। वन एवम पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सोमवार को धरियावद, प्रतापगढ़ स्थित सीतामाता वन्यजीव अभयारण पहुंचे। अभयारण में कुछ दिन पहले वन कर्मियों पर लकड़ी तस्करों ने हमला कर दिया था, जिसमें वन कर्मी घायल हो गए थे। वन मंत्री ने घटना के वक्त ड्यूटी पर रहे वन कर्मियों से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली। मंत्री ने पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ से फोन पर वार्ता कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने ज्वेलरी शोरूम का किया शुभारंभ

बीकानेर (हिंस)। बॉलीवुड स्टार मलाइका अरोड़ा ने सोमवार को बीकानेर में कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम का शुभारंभ किया। शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर रोमांचित प्रशंसकों को संबोधित करते हुए मलाइका ने कहा कि बीकानेर में आज कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। बीकानेर के इस नए शोरूम के बारे में जानकारी देते हुए कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा कि बीकानेर में हमारे नए शोरूम के लांच के साथ, हमारा उद्देश्य एक खास ईको सिस्टम बनाते हुए अपने ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना है, जिससे उनका खरीदारी का अनुभव बेहतर हो सके।

यमुनानगर : लंबित मांगों को लेकर नगरपालिका कर्मियों ने किया प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। सरकार की ओर से गेहूं खरीद के लिए ऋण के भुगतान राशि जारी करने में हो रही देरी को लेकर सोमवार को नगरपालिका कर्मचारी संघ के कर्मचारियों ने निगम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस मौके पर नगरपालिका कर्मचारी संघ के प्रवेश प्रोचा ने बताया कि सरकार हमारी लंबित मांगों को नहीं मान रही है और काफी लंबे समय से टालती आ रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने नगरपालिका कर्मचारियों के लिए गेहूं की खरीद के लिए ऋण स्वीकृत किया गया था, उसकी राशि अभी तक निगम

प्रशासन ने जारी नहीं की है। जिसको लेकर आज यह प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्होंने बाजार से गेहूं तो उधार खरीद ली है लेकिन उसका भुगतान करना अभी बकाया है। पहले भी निगम अधिकारियों की ओर से इसे गंभीरता से नहीं लिया गया और अब प्रशासन की ओर से 30 जून की तारीख दी गई है। उन्होंने निगम प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार हमारी लंबित मांगों का जल्द समाधान नहीं करती तो निगम कर्मी पूरे हरियाणा में एक बड़ा आंदोलन करेंगे और इसकी जिम्मेदारी प्रशासन व सरकार की होगी। इस मौके पर कर्मचारियों ने जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

ओम शांति केंद्र में मनाई गई मां जगदम्बा की 59वीं पुण्यतिथि

अररिया (हिंस)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र की मां जगदम्बा की 59वीं पुण्यतिथि फारबिसगंज के ओम शान्ति केंद्र में संचालिका बीके रुक्मा दीदी सह संचालिका बीके संतोषी दीदी, सीता दीदी, मनीषा बहन के नेतृत्व में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम मां जगदम्बा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर शिव बाबा को भोग लगाया गया। संचालिका रुक्मा दीदी ने बताया की मात्र 17 वर्ष की आयु में ताजधारी के बदले पीतांबरधारी को प्राथमिकता देने वाली युवती राधे अपने सत्कर्म से पहले ओम राधे बनी और उसके बाद निरंतर आगे बढ़ती हुई शिव बाबा के यज्ञ की सबसे बड़ी मां जगदम्बा के रूप में स्थापित हो गईं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी की उनके ज्ञान में बाबा के प्रति कोई संशय था हीं नहीं। हां जी के शब्द उनके ताकत थे और इससे उनके सारे काम अपने आप पूरे हो जाते थे। बी के संतोषी दीदी, बहन मनीषा भाई रामाशीष ने कविता और गीत के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त की। डॉ. यूसी मंडल, अजातशत्रु अग्रवाल ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अपनी अपनी भावांजलि दी। सिंधु दीदी , शांति बहन रामप्रकाश भाईजी, प्रेम, सुनील केशरी, दुलाल दा, अजातशत्रु, अग्रवाल, शंभू साह, माणिक सिंह, सूर्य नारायण भाई संजयबोथरा, सहित दर्जनों भाई बहन ने अपनी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा गठबंधन की सरकार बनने के साथ सड़क व पुल-पुलियों का निर्माण कार्य में तेजी : विधायक

अररिया (हिंस)। बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार बनने पर विकास योजनाओं में तेजी आई है। सड़क पुल-पुलियों के निर्माण कार्य में सारे रूकावट को दूर विकास कार्य में द्रूत गति से की जा रही है। फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास योजनाओं को जल्द पूरा किया जा रहा है। फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत सड़कों का जाल बिछ रहा है। प्रखंडों में लंबित सड़क के निर्माण कार्य का रास्ता प्रशस्त हो गया है। विधायक केसरी ने कहा उनके और सांसद प्रदीप कुमार सिंह के पहल पर कई सड़कों व पुल-पुलियों के निर्माण कार्य को लेकर राशि का आवंटन हुआ है। उन्होंने कहा प्रदेश में राजद गठबंधन की सरकार में सब कुछ ठप हो गया था। विधायक विद्यासागर केशरी ने कहा कि फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र में आठ सड़कों का प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों योजना के तहत निर्माण किया जा रहा है। फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र के सड़क को लेकर जानकारी देते हुए विधायक श्री केसरी ने कहा कि फारबिसगंज हवाई अड्डा से अम्हारा खवासपुर बाजार होते हुए मुड़बल्ला तक जाने वाली 20.75 किलोमीटर सड़क, मानिकपुर बुर्जा चौक से लहसुनगंज बजरंगबली चौक होते हुए रमैय हाई

स्कूल चौक तक सड़क निर्माण कार्य चल रहें हैं। सभी सड़कों का निर्माण कार्य जल्द शुरू करने का निर्देश संवेदक को देने की बात विधायक ने कही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार और एनडीए गठबंधन की प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र में उनके द्वारा किए जाने वाले मांगों पर जिस तरह केंद्र सरकार दिल खोलकर पैसे उपलब्ध कराने का काम कर रही है। इसके लिए उसके साथ विधानसभा क्षेत्र के लोग ऋणी है। उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार में आवागमन के लिए सड़कों का जाल बनाने के प्रति कटिबद्ध है। इस मौके पर बीजेपी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष मनोज झा, बीजेपी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चांदनी सिंह, राजेन्द्र झा, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रेम केसरी, बलराम केसरी, अशोक मंडल, अमित निराला, राजू बहरदार, जयप्रकाश यादव, संजय केसरी, बलराम केसरी, विपिन मेहता, अरविंद विश्वास समेत बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हिंडनबर्ग हमला हमें बदनाम करने व अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया, शेयरधारकों से बोले अदाणी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह के एजीएम के दौरान समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने निवेशकों को संबोधित किया। भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी के बीच अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने निवेशकों को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की ओर से समूह को बदनाम करने के लिए और अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया।

अदाणी ने कहा कि शॉर्ट-सेलर की ओर से किए गए हमले के बाद लिक्विडिटी हमारे लिए सबसे बड़ी संपत्ति बन गई। धन जुटाने से से बाजार का भरोसा बहाल हुआ, अस्थिरता के खिलाफ पोर्टफोलियो की रक्षा की गई। अदाणी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक संबंधों को तनाव देते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। प्रौद्योगिकी परिवर्तन हमारे जीने और काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। शेयरधारकों के संबोधन का समापन अदाणी ने हम करके दिखाएंगे कहकर किया।

कंपनी के वार्षिक आम बैठक के दौरान अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने कहा कि 2 साल के लिए कर्ज के पुनर्भुगतान को कवर करने के लिए हमने 40,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को बताया कि पिछले 5 साल में समूह का सालाना खर्च तीन गुना हो गया।

गौतम अदाणी ने कहा कि हिंडनबर्ग के आधारहीन दावों से हम प्रभावित हुए। इससे हमारा एफपीओ प्रभावित हुआ। अदाणी ने कहा, चुनौतियों के बावजूद हमने अपने निवेशकों का विश्वास हासिल किया। जीक्यूजी, क्यूआईए, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प ने हम पर भरोसा जताया। हमारी परीक्षा लेने वाली विपरीत परिस्थितियों ने हमें और भी मजबूत बना दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

मेटा एआई अब भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य पर उपलब्ध

नई दिल्ली। टेक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक , मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा डॉट एआई पर अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) असिस्टेंस की उपलब्धता की घोषणा की। इसे लेटेस्ट लामा 3 लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) के साथ बनाया गया है।कंपनी ने एक बयान में कहा कि देश में लाखों यूजर्स अपने काम को पूरा करने, कंटेंट क्रिएट करने और टॉपिक पर जानकारी प्राप्त करने के लिए फीड, चैट और अन्य ऐप्स में मेटा एआई का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने द्वारा उपयोग किए जा रहे ऐप को छोड़ने की जरूरत नहीं है। मेटा ने कहा, भारत में इसे अंग्रेजी में शुरू किया जा रहा है। आप व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर और इंस्टाग्राम पर मेटा एआई का इस्तेमाल करके काम कर सकते हैं, सीख सकते हैं, क्रिएट कर सकते हैं और उन चीजों से जुड़ सकते हैं जो आपके लिए बेहद जरूरी हैं। कंपनी ने पिछले साल के कनेक्ट इवेंट में पहली बार मेटा एआई की घोषणा की थी। भारत में यूजर्स व्हाट्सएप ग्रुप चैट में मेटा एआई से आपके और आपके दोस्तों के लिए शानदार व्यूज वाले और वेगन रेस्तरां रिकमेंड करने के लिए कह सकते हैं। कंपनी ने कहा, मेटा एआई से पूछें कि रोड ट्रिप पर रुकने के लिए कौन सी जगह अच्छी है यदि आप किसी टेस्ट की तैयारी कर रहे हैं तो मेटा एआई से वेब पर मल्टीपल चॉइस टेस्ट के बारे में पूछें। फेसबुक फीड पर स्क्रॉल करते समय भी मेटा एआई तक पहुंचा जा सकता है। कंपनी के अनुसार, क्या आपको कोई ऐसा पोस्ट मिला है जिसमें आपकी दिलचस्पी है आप मेटा एआई से सीधे पोस्ट से ही ज्यादा जानकारी ले सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदवाव

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। चारों महानगरों में भी ईंधन की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है जबकि कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है पर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है पर है। वहीं अन्य शहरों की बात करें तो उत्तर प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर वहीं चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर पर है।

आम 2400 रुपये तो भिंडी 650 रुपये प्रति किलो! लंदन में रुला देंगे खाने की चीजों के ऊंचे दाम

नई दिल्ली। खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। वहीं, क्या आप कल्पना कर सकते हैं भारत के बाहर खाने-पीने की चीजों के दाम कितनी ऊंची छलांग लगा सकते हैं। 20 रुपये का चिप्स का पैकेट लंदन में भारतीय जनरल स्टोर पर 95 रुपये का बेचा जाता है। इतना ही नहीं, मैगी लंदन में 300 रुपये की बेची जा रही है। लंदन में कितना महंगा बिक रहा खाने-पीने का आम सामान दरअसल, सोशल मीडिया पर भारतीय जनरल स्टोर में मिलने वाली चीजों के ऊंचे दाम वाला एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो मूल रूप से दिल्ली में रहने वाली छवि अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड किया है, जो कि अब लंदन में रह रही हैं। छवि अग्रवाल ने ब्रिटिश राजधानी में एक भारतीय जनरल स्टोर के हर आइटम की कीमत को लेकर जानकारी दी है।

74 प्रतिशत भारतीय असमानता व जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अमीरों पर कर लगाने के पक्ष में, सर्वे में दावा

नई दिल्ली।

जी-20 के वित्त मंत्री जहां अगले महीने धनाढ्यों पर संपत्ति कर लगाने की तैयारी में हैं। इस बीच, एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि इन देशों के 68 प्रतिशत लोग, जिनमें भारत के 74 प्रतिशत लोग शामिल हैं, वैश्विक भूख, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के इस विचार का समर्थन करते हैं। अर्थ4ऑल इनिशिएटिव और ग्लोबल कॉमन्स अलायंस के इस सर्वेक्षण में विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के 22,000 नागरिकों को शामिल किया गया। सुपर-रिच (अत्यधिक अमीरों) पर लेवी के प्रस्ताव पर 2013 से चर्चा चल रही है और इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हाल के वर्षों से बढ़ रहा है। जी20 के वर्तमान अध्यक्ष ब्राजील का उद्देश्य धन के कराधान पर आम सहमति बनाना है और जुलाई में जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणा के लिए जोर देने की संभावना है।

गैब्रियल जुकमैन, जो एक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री और कर न्याय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रगतिशील अंतरराष्ट्रीय कराधान के लिए ब्राजील के जी 20 प्रस्ताव के पीछे एक प्रमुख चेहरा हैं। वे एक रिपोर्ट जारी करेंगे, जिसमें बताया जाएगा कि अल्ट्रा-रिच पर एक वैश्विक न्यूनतम कर कैसे काम कर सकता है और यह कितना बढ़ाया जा सकता है। जुकमैन के मुताबिक, सुपर-रिच आम लोगों की तुलना में काफी कम टैक्स देते हैं। प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित करना है। हर देश में अरबपतियों को सालाना करों में कम से कम 2 प्रतिशत का भुगतान करना होगा। अर्थ4ऑल के सह-प्रमुख ओवन गैफनी ने कहा, भारतीय जलवायु और प्रकृति में एक बड़ा सुधार चाहते हैं।68 प्रतिशत भारतीय अगले एक दशक के भीतर सभी आर्थिक क्षेत्रों में नाटकीय सुधारों की मांग करते हैं। यह एक मजबूत जनादेश है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। चौहत्तर प्रतिशत भारतीय अत्यधिक अमीरों पर कर लगाने का समर्थन करते हैं। 71 फीसदी भारतीय यूनिवर्सल बेसिक इनकम के पक्ष में हैं। 74 फीसदी लोग उन नीतियों का समर्थन करते हैं, जो उत्सर्जन में कटौती के प्रयासों को प्रोत्साहित करती हैं और 76 फीसदी बेहतर कार्य और जीवन में संतुलन चाहते हैं। 68 फीसदी भारतीयों का मानना है कि अगले दशक में दुनिया को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों- बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और खाद्य क्षेत्र में नाटकीय कदम उठाने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने अच्छी अर्थव्यवस्थाओं की ओर बदलाव का समर्थन किया। उनका मानना है कि आर्थिक विकास की तुलना में स्वास्थ्य और पर्यावरण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव में तेजी आई जबकि चांदी के वायदा भाव नीचे आये हैं। सोने के वायदा भाव सुबह 71,750 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में बढ़त रही जबकि चांदी के वायदा भाव नीचे आये। दूसरी ओर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 132 रुपये की बढ़त के साथ 71,716 रुपये के भाव पर खुला। ये इसने 71,744 रुपये के भाव पर दिन केउच्च और 71,646 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 74,442 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव में आज बढ़त रही पर बाद में ये नीचे आने लगे। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 37 रुपये की तेजी के साथ 89,176 रुपये पर खुला। ये अनुबंध 41 रुपये की गिरावट के साथ 89,098 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,271 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 88,909 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर को हासिल किया। पिछले माह ही चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही जबकि सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कामेक्सा पर सोना 2,333.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,331.20 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.57 डॉलर के भाव पर खुले।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा, चीन पर यह कहा

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा और कहा कि ऊंची ब्याज दरों तथा कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने आर्थिक दृष्टिकोण में, एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ने के साथ भारत की आर्थिक वृद्धि आश्चर्यजनक रूप से ऊपर की ओर बनी हुई है। एसएंडपी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ऊंची ब्याज दर और राजकोषीय घाटे में कमी से गैर-कृषि क्षेत्रों में मांग में नरमी के साथ चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए, एसएंडपी ने क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया। वित्त वर्ष 2025 के लिए एसएंडपी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तुलना में कम है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति घटने के कारण कारण चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एशियाई विकास बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। चीन के लिए, एसएंडपी ने अपने 2024 के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया, लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें क्रमिक मंदी आ सकती है। अनुमानों में कहा गया है कि खपत में नरमी और विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत निवेश का असर कीमतों और लाभ मार्जिन पर पड़ेगा।

निवेशक का दावा, ग्रो प्लेटफॉर्म पर हुआ फ्रॉड, कंपनी ने कहा मामला सुलझ गया

नई दिल्ली।

पॉपुलर ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ग्रो के एक निवेशक ने सोशल मीडिया पर कंपनी पर फ्रॉड का आरोप लगाया है।हनेंद्र प्रताप सिंह के नाम के एक यूजर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उसकी बहन फाइनेंसियल सर्विसेज प्लेटफॉर्म के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करती है और ग्रो द्वारा फोलियो नंबर भी जनरेट कर दिया है।

आगे कहा कि जैसे ही उनकी बहन ने राशि निकालने की कोशिश तो उन्हें पता चला कि उनका फोलियो नंबर मौजूद ही नहीं है और सारी जानकारी डैशबोर्ड से गायब हो गई। ग्रो यूजर ने आरोप लगाया कि ऐप की ओर से राशि ले ली गई, लेकिन कभी म्यूचुअल फंड में निवेश नहीं की गई। सोशल मीडिया पर आलोचना होने के बाद ग्रो ने इसका जवाब देते हुए कहा कि नैतिकता के आधार पर निवेशक द्वारा क्लेम की जा रही राशि क्रेडिट कर दी गई है। कंपनी ने अपनी पोस्ट में कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि निवेशक दावा की गई राशि के बारे में चिंतित न हो, हमने इसे नैतिकता के आधार पर निवेशक के खाते में जमा कर दिया है। आगे ग्रो ने कहा कि हमने निवेशक से निवेशित राशि के डेबिट के सबूत के रूप में बैंक स्टेटमेंट की मांग की है, जिससे हमें और नियामकों को निवेशक को लेकर उठे सवाल के बारे में जांच करने में आसानी हो। कंपनी ने आगे कहा कि ग्राहक के डैशबोर्ड पर गलती से वह फोलियो आ गया। हम इसके लिए खेद प्रकट करते हैं। समस्या सुलझा ली गई है। एक अन्य ग्रो यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर इस घटना को काफी चिंताजनक बताया। यूजर्स की ओर से पोस्ट में कहा गया कि वह कई वर्षों से ग्रो के माध्यम से पैसे निवेश कर रहा है और कभी चेक नहीं किया कि उसे अलॉटमेंट मिला है या नहीं। अब से वह एक शीट में पूरी जानकारी दर्ज करेगा।

कश्मीर के सेब तो खूब खाए अब मुजफ्फरपुर का सेब खाकर देखें बिहार के किसान ने भीषण गर्मी में उगाए सेब और सभी को किया हैरान

मुजफ्फरपुर।

सेब जो हमारी सेहत को भी बेहतर बनाता है। इसलिए डॉक्टर रोज एक सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब की खेली ज्यादा तरह कश्मीर, शिमला और हिमाचल प्रदेश में होती है लेकिन अब बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड के गन्नीपुर बेझा गांव के एक किसान रामनंदन प्रसाद अनोखी खेती के लिए सुर्खियों में हैं। उन्होंने भीषण गर्मी वाले इलाके में सेब की खेती कर सफलता हासिल की है और लाखों रुपए कमा भी रहे हैं। गणित में एमएससी करने वाले रामनंदन ने सरकारी नौकरी न कर खेती को ज्यादा तरजीह दी। उन्होंने तीन साल पहले सेब के बागान लगाए और वे अन्ना और एचआरएमएन99 किस्म के सेब की खेती रहे हैं जो 50 डिग्री तक तापमान सहन कर सकते हैं। दरअसल, सेब की खेती अमूमन ठंडे प्रदेश कश्मीर, शिमला, हिमाचल प्रदेश जैसे स्थानों पर ही की जाती है, लेकिन मुजफ्फरपुर के रामनंदन ने इस भीषण गर्मी में भी सेब ऊगा कर लाखों रुपए कमा रहे हैं। रामनंदन ने तीन साल पहले पारंपरिक खेती छोड़ कर सेब के बागान लगाए, जिसमें सेब आने लगे हैं, जिसकी डिमांड मार्केट में काफी है। जानकारी के मुताबिक पहले साल में ही उनके 100 पौधों से दस क्विंटल सेब की पैदावार हुई है। उनका अनुमान है कि जैसे-जैसे पौधे बड़े होंगे, पैदावार बढ़ती जाएगी और पांच साल में एक पेड़ 50 किलो सेब देने लगेगा। रामनंदन जैविक खाद और सिंचाई पर अधिक ध्यान देते हैं। वे किसानों को सेब की खेती के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं और उन्हें ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। इतना ही नहीं, रामनंदन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के तहत भी काम कर रहे हैं, जहां वे कई प्रकार के फल उगाते हैं। उन्होंने कश्मीर जाकर सेब की खेती देखी और वहां से पौधे लाकर अपने खेत में लगाए। रामनंदन का मानना है कि सेब की खेती में अच्छी संभावनाएं हैं और किसान इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

पूंजीगत व्यय से वित्त वर्ष 25 में दोहरे अंक में बढ़ेगी कैपिटल गुड्स कंपनियों की आय

मुंबई।

सरकार की ओर से रेलवे (मेट्रो सहित), डिफेंस और रिन्यूएबल सेक्टर में लगातार पूंजीगत व्यय किए जाने के कारण कैपिटल गुड्स बनाने वाली कंपनियों के राजस्व में वित्त वर्ष 2024-25 में दोहरे अंक में उछाल देखने को मिल सकता है।

आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।क्रिसिल रेटिंग्स की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि बाजार में उच्च प्रतिस्पर्धा के कारण वित्त वर्ष 2024-25 ऑपरेटिंग मार्जिन 80 से 100 बेसिस अंक कम होकर 12 से 13 प्रतिशत रह सकता है। एक्सपोर्ट, जहां पर मार्जिन अधिक होता है, उसमें सुस्ती रह सकती है। हालांकि, इस दौरान कच्चे माल जैसे स्टील, कॉपर और एलुमिनियम की कीमतें स्थिर रह सकती हैं।

क्रिसिल रेटिंग्स के डायरेक्टर आदित्य झावेर ने कहा कि निजी कंपनियों की ओर से पारंपरिक सेक्टर में पूंजी लगाई जा रही है। इसमें 6 से 8 प्रतिशत की सालाना आधार पर बढ़त हुई है। इसके अलावा रिन्यूएबल क्षमता में सालाना आधार पर 25 से 30 प्रतिशत की बढ़त हुई है। यह कैपिटल गुड्स कंपनियों के लिए अच्छा है। हालांकि, रेलवे और डिफेंस में निवेश 20 प्रतिशत से गिरकर 5 प्रतिशत पर आ गया है, लेकिन कई शहरों में मेट्रो इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में गति से इसे बल मिल सकता है। झावेर ने आगे कहा कि इस कारण कैपिटल गुड्स कंपनियों की आय में शुद्ध रूप से 9 से 11 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिल सकती है। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के कारण इलेक्ट्रिक वाहन और डेटा सेंटर में कैपिटल गुड्स कंपनियों के लिए ग्रोथ के मौके हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2024 में कुल हुए निवेश का 10 प्रतिशत पीएलआई स्कीम का लाभ लेने वाले और उभरते हुए सेक्टरों में हुआ था, जो कि वित्त वर्ष 2028 तक 25 प्रतिशत पहुंचने की संभावना है। क्रिसिल रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर जोआन गोंसाल्वेस ने कहा कि कैपिटल गुड्स कंपनियों की क्रेडिट प्रोफाइल स्थिर है। इसकी वजह अच्छी वित्तीय सेहत और सीमित पूंजीगत व्यय है।

सरकार ने जमाखोरी रोकने, कीमतों में स्थिरता के लिए गेहूं के भंडारण की अधिकतम सीमा तय की

नई दिल्ली । सरकार ने खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, प्रोसेसर और बड़ी श्रृंखलाओं के खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं भंडारण की सीमा लगा दी है। कीमतों में स्थिरता और जमाखोरी रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एकल खुदरा विक्रेता, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेता, प्रोसेसर और थोक विक्रेता हर अपने पास भंडारित गेहूं के स्टॉक का खुलासा करेंगे। चोपड़ा ने कहा, ''मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता हूं।'' उन्होंने यह कहा कि अभी गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध है और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध की समीक्षा करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहें। चोपड़ा ने आगे बताया कि थोक विक्रेताओं के लिए स्टॉक सीमा 3,000 टन होगी, जबकि यह प्रोसेसर के लिए यह प्रसंस्करण क्षमता का 70 प्रतिशत होगी। उन्होंने बताया कि बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं के लिए यह सीमा 10 टन प्रति बिक्री केन्द्र की होगी, जिसकी कुल सीमा 3,000 टन होगी तथा एकल खुदरा बिक्रेताओं के लिए यह सीमा 10 टन की होगी। चोपड़ा ने बताया कि हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के मद्देनजर स्टॉक सीमा लगाई गई है, जिनमें कहा गया है कि गेहूं सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि जमाखोरी को कम करने के लिए स्टॉक सीमा लगाई गई है। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल, 2023 को गेहूं का शुरुआती स्टॉक 82 लाख टन था, जबकि एक अप्रैल, 2024 को यह 75 लाख टन था। उन्होंने कहा कि पिछले साल 266 लाख टन की खरीद की गई थी, जबकि इस साल सरकार ने 262 लाख टन की खरीद की है और खरीद अभी भी जारी है। इसलिए (शुरुआती स्टॉक में) गेहूं की कमी सिर्फ तीन लाख टन की है।

आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा, पेंशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली।
भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। उषा ने आईओए की कार्यकारी समिति को सिफारिशें प्रस्तावित की हैं जिन पर जल्द ही चर्चा होगी।

उषा को यह विचार भारतीय तीरंदाज लिंबा राम की दुर्दशा को देखने के बाद आया। प्रस्ताव के मुताबिक आईओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा। उषा ने यहां अपने आवास पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर महान भारतीय खिलाड़ी गुरबचन सिंह रंधावा को सम्मानित करते हुए कहा, आईओए कई एथलीट-केंद्रित कदम उठा रहा है और इनमें से हमारे सभी पूर्व-ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा और पेंशन शामिल है।

उषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति सदस्यों को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व ओलंपियनों के लिए आईओए की ओर से एक छोटी सी मदद है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों के योगदान की सराहना करना चाहते हैं।

उषा ने कहा कि उन्हें यह विचार तब आया जब वह बीमार ओलंपियन लिंबा राम से मिलीं थी। तीरंदाजी के इस दिग्गज खिलाडी को मस्तिष्क आघात हुआ था और उन्होंने वित्तीय सहायता के लिए व्हीलचेयर पर आईओए से संपर्क किया था।

उन्होंने कहा, जब मैंने आईओए कार्यालय में लिंबा राम को व्हीलचेयर पर वित्तीय सहायता के लिए संघर्ष करते हुए देखा तो इसने मुझे झकझोर दिया। उसी क्षण मेरे दिमाग में यह विचार आया। रंधावा ने दो ओलंपिक खेलों में भाग लिया है। वह 1964 के तोक्यो ओलंपिक में 110 मीटर बाधा दौड़ में पांचवें स्थान पर रहे थे। एशियाई खेलों (1962) के डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी ने आईओए प्रमुख के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इसके साथ अनुभवी ओलंपियनों की भलाई के लिए और अधिक प्रयास करने का अनुरोध किया।

न्यूज़ ब्रीफ

आलोचकों को कानूनी कार्रवाई कर सबक सिखाएंगे बाबर आजम

लाहौर । टी20 विश्वकप में टीम पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम के कप्तान बाबार आजम निशाने पर हैं। विश्वकप से टीम के बाहर होने के बाद दिग्गज खिलाड़ियों सहित प्रशंसकों ने भी आजम की काफी आलोचना की थी। यहां तक की उनपर एक पत्रकार ने वीडियों जारी कर फिक्सिंग के भी आरोप लगाये थे। इससे नाराज बाबर अब इस मामले में कानूनी कार्रवाई कर बेवजह आरोप लगाने वालों को सबक सिखाना चाहते हैं। बाबर उन यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप के दौरान उन पर खराब व्यवहार का आरोप लगाया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी कानूनी कार्रवाई के लिए सबूत एकत्र कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व कप के दौरान बाबर को बदनाम करने के उद्देश्य से एक समन्वित सोशल मीडिया अभियान शुरू किया गया था। पीसीबी का कानूनी विभाग अब कई यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए अपमानजनक बयानों को लेकर उनपर शिकंजा कसने का प्रयास कर रहा है। गौरतल है कि पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद सहित कई अन्य ने आजम की कप्तानी पर सवाल उठाए थे। वहीं पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा था कि बाबर टीम में माहौल खराब कर रहे हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जो उनसे खुश नहीं हैं जबकि वसीम अकरम ने कहा था कि मुझे टीम के इस खराब प्रदर्शन पर शर्म आती है।

ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगें फुटबॉलर जोथनपुइया

कोलकाता । ईस्ट बंगाल एफसी ने मिजोरम के मार्क जोथनपुइया से करार किया है। जोथनपुइया अभी

भारतीय अंडर-23 टीम से खेलते हैं। एफसी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल के लिए करार किया है। ऐसे में जोथनपुइया 2026-27 सत्र के अंत तक ईस्ट बंगाल से खेलेंगे। जोथनपुइया के आने से टीम को मिडफील्ड और रक्षापंक्ति के लिए एक बेहतर खिलाड़ी मिल जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी प्रबंधने ने जोथनपुइया को शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही कहा कि जोथनपुइया देश के सबसे उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उवल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने का प्रयास करेंगे। जोथनपुइया ने एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीम की ओर से 2020-21 सत्र में खेला है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल विजेता टीम में शामिल रहे हैं। इस खिलाड़ी ने कहा , ''ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। मेरा प्रयास उसके लिए बेहतरीन प्रदर्शन करना रहेगा।

रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की घटना के बाद एक्शन में यूएफा , यूरो मुकाबलों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी

फ्रैंकफर्ट । यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर

किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा ने कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जायेंगे। हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यूएफा ने कहा, पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जाएगा। साथ ही उसे टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जाएगी। पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गए थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की। हालांकि, वे सिर्फ सेल्फी लेना चाहते थे लेकिन टूर्नामेंट सुरक्षा योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को किसी भी नुकसान से बचाना भी शामिल है।

भारतीय विमेंस टीम का साउथ अफ्रीका पर क्लीन स्वीप

वनडे सीरीज 3-0 से जीती ; मंधाना ने 90 रन की पारी खेली ; वनडे में 3500 रन पूरे

नई दिल्ली।
भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे में 6 विकेट से हराया। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम पर मेहमान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 215 रन का स्कोर बनाया। जवाब में भारत ने 40.4 ओवर में 220/4 स्कोर कर जीत हासिल कर ली।

इस जीत से भारतीय टीम ने तीन मैच की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। यह भारत की दक्षिण अफ्रीका पर दूसरी क्लीन स्वीप है। इससे पहले, साल 2019 में भारत ने तीन वनडे की घरेलू सीरीज में भी 3-0 से व्हाइटवॉश किया था।

मंधाना ने 90 रन बनाए

भारत की ओर से ओपनर स्मृति मंधाना ने लगातार तीसरे मैच में 50+ स्कोर किया। उन्होंने 83 गेंदों में 11 चौके की मदद से 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना और शेफाली ने सतर्क शुरुआत की। मंधाना ने छठे ओवर में नेदिन डि क्लर्क के खिलाफ तीन चौके लगाकर यह दिखाया कि वह पूरी लय में हैं। अगले ओवर में आयोबोंगा खाकाके खिलाफ शेफाली ने चौका जड़ा। 12वें ओवर में तुमी सेखुकुने ने शेफोली को आउट कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

वहीं मंधाना ने 18वें ओवर में नोनदुमिसो शेनगेस के खिलाफ चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं 90 रन पर नॉनकुलुलेको म्लाबा ने फाइनल लेग पर कैच करवा कर पवेलियन भेजा।

मंधाना के 3500 रन पूरे

मंधाना के वनडे में 3500 रन पूरे हुए। वे इस मुकाम तक पहुंचने वाली तीसरी भारतीय बैटर बनीं। उनके 3,585 रन हो गए हैं।

3 मैच की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं स्मृति मंधाना

मंधाना एक द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के नाम दर्ज था। वोल्वार्ट ने इस साल श्रीलंका के खिलाफ खेली गई घरेलू वनडे सीरज में 335 रन बनाए थे। अब वोल्वार्ट दूसरे पायदान पर खिसक गई हैं।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज की धाकड़ खिलाड़ी हेली मैथ्यूज हैं, जिन्होंने 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ खेली वनडे सीरीज में उम्दा प्रदर्शन करते हुए 325 रन बनाए थे।

अफ्रीकी कप्तान लॉरा वॉल्वॉर्ट ने खेली अर्धशतकीय पारी

कप्तान वॉल्वॉर्ट ने पहले विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की। इस स्कोर पर वॉल्वॉर्ट को अरुंधति रेड्डी ने आउट किया। वॉल्वॉर्ट ने 61 रन बनाए। ब्रिट्स ने 38 रन बनाए। 104 रन के टीम स्कोर पर 2 विकेट गंवाने वाली अफ्रीकी टीम का खेल फिर धीमा हो गया और टीम में 215/8 का स्कोर ही बना पाई।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी श्रीजा ने फाइनल में चीन की डिंग यिजी को 4-1 से हराया। श्रीजा ने इस टूर्नामेंट में कुल दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया।

श्रीजा डब्ल्यूटीटी कंटेंडर में सिंगल्स वर्ग का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी श्रीजा ने फाइनल में चीन की डिंग यिजी को 4-1 से हराया। श्रीजा ने इस टूर्नामेंट में कुल दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

महिला सिंगल्स फाइनल में अकुला की शुरुआत थोड़ी खराब रही और वह अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी को पहला गेम 10-12 से गंवा बैठीं। लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए अगले चार गेम 11-9, 11-6, 11-8, 11-6 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस तरह भारत ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया।

महिला डबल्स में भी जीता स्वर्ण

श्रीजा ने अर्चना कामथ के साथ मिलकर महिला डबल्स वर्ग में हमवतन दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े को 3-0 (11-9, 11-6, 12-10) से हराकर दूसरा स्वर्ण भी जीता। भारत ने पुरुष डबल्स वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीता। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की जोड़ी ने अजीज सोलंके और ओलाजिदे ओमोटायो को 3-0 (11-811-9, 11-8) से हराया।

2036 तक के लिए हॉकी इंडिया की प्रायोजक बनी रहेगी उड़ीसा सरकार

भुवनेश्वर ।
उड़ीसा सरकार ने हॉकी इंडिया के साथ प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ा दिया है। राज्य की नई सरकार ने ये भी कहा है कि वह हॉकी को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसलिए ये करार 2036 तक बढ़ाया गया है। प्रायोजन करार आगे बढ़ाये जाने से उत्साह हित हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और खेल एवं युवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के साथ हमारी सार्थक बैठक हुई। हमने खेलों के विकास और हमारे प्रिय खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की रणनीतियों पर चर्चा की। वहीं हॉकी इंडिया के सचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि भारतीय हॉकी के लिए राज्य सरकार का लगातार समर्थन अमूल्य रहा है। अब हॉकी इंडिया के साथ भागीदारी 2036 तक बढ़ाना उनके खेल और युवा विकास को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। इससे देश में हॉकी का स्तर तेजी से बढ़ने के साथ ही युवा प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिल रहा है। प्रायोजन करार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्र नवीन पटनायक के कार्यकाल से ही चला आ रहा है।

टी20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

एंटीगा ।
दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टी20 विश्व कप के पहले सुपर 8 मुकाबले में मेजबान टीम वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। बारिश से प्रभावित इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को डकवर्थ नियम के अनुसार 17 ओवर में 123 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने पांच गेंद शेष रहते हुए सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीत कर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शाई होप पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद काइल मेयर्स ने 35 रन बनाए जबकि निकलस पूरन 3 गेंदों में ही एक रन बनाकर आउट हो गये। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 42 गेंदों पर सबसे अधिक 52 रन बनाए जबकि आंद्रे रसेल ने 15 रन बनाए। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरैज शम्सी ने 3 विकेट लिए। इसके बादा लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। दोनों ही बल्लेबाज शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। क्विटन डिकॉक 12 रन जबक रीजा हैंडरिक्स

पहली ही गेंद पर पूरन का शिकार बने। इसके बाद बारिश आ गई जिसके बाद टीम को मिला लक्ष्य कर करके 123 रन कर दिया गया। कप्तान एडेन मार्कराम भी 18 बनाकर आउट हो गये। हेनरिक क्लासेन ने 22 रन बनाकर टीम को संभाला जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 29 रन बनाये। डेविड मिलर केवल 4 रन ही बना पाये। अंतित ओवर में दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत के लिए 5 रन चाहिए थे। ऐसे में मार्को यानसेन ने पहली गेंद पर ही छ्क्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 3, आंद्रे रसेल ने 2 और अल्जारी जोसेफ ने भी इतने ही विकेट लिए। इस मैच में मिली हार के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम का टी20 विश्व कप में सफर समाप्त हो गया।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने जीते दो कांस्य पदक, भारत ने अपने नाम किए कुल इतने पदक

नई दिल्ली ।
भारतीय तीरंदाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में दो कांस्य पदक और जीते। भारत के लिए धीरव बोम्मादेवरा और भजन कौर की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने मैक्सिको को हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का समापन चार पदक के साथ किया।

भारत के लिए इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

भारतीय मिक्स्ड जोड़ी ने वापसी कर जीता पदक

मिक्स्ड डबल्स में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। धीरज ने इसके बाद व्यक्तिगत वर्ग के क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने के बाद देश को एक और पदक दिलाया। उन्होंने इटली के नौवें वरीय मार्को नेस्पोली को 7-3 (28-27, 29-28, 27-28, 28-28, 30-29) से हराया। यह विश्व कप में उनका दूसरा कांस्य पदक है। उन्होंने पिछले साल इसी स्थान पर प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में अपना पहला पदक जीता था। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के पूर्व ओलंपिक टीम पदक विजेता दक्षिण कोरिया के किम वूजिन से हार गए थे। सेना के इस जवान को अंतिम चार मैच में 2-6 (29-29, 27-30, 29-29, 27-29) से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अंकिता भकत पदक से चूकीं

भारत के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लकिन अंकिता भकत महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की यांग शियाओली से मामूली अंतर से हार गईं।

यांग ने फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता लेकिन अंकिता कांस्य पदक के मैच में भी हार गईं। क्वालीफिकेशन में 45वें स्थान पर रहने वाली अंकिता ने सेमीफाइनल तक का सफर कर प्रभावित किया, लेकिन यांग के खिलाफ दबाव के क्षणों में लय बरकरार नहीं रख सकीं और 2-6 (26-30, 28-27, 26-27, 27-28) से हार गईं। कांस्य पदक मैच में अंकिता के सामने दुनिया की तीसरी नंबर की खिलाड़ी एलेजांद्रा वालेंसिया की चुनौती थी। वालेंसिया के खिलाफ भारतीय खिलाड़ी को 3-7 (27-29, 26-27, 29-27, 29-29, 27-29) से हार का सामना करना पड़ा।

संकेतों को भाषा में बदल देगा ये आर्म बैंड

विज्ञान ने हर क्षेत्र में काफी तरक्की कर ली है। बोल नहीं सकने वालों के लिए संकेतों की भाषा है लेकिन इसे हर कोई नहीं समझ पाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए शोधकर्ताओं ने बांह में पहना जा सकने वाला आर्म बैंड बनाया है जो हाथों की हलचल और संकेतों को भाषा में बदल देगा। इससे दुनिया के 7 करोड़ मूक लोगों को काफी सहायता मिलेगी। इस आर्म बैंड में कई सेंसर लगे हैं। जो हाथों के संकेत को साफ्टवेयर में भेजते हैं। वहां पहले से शब्द होते हैं जो संकेतों को ब्लूटूथ के मार्फत शब्दों में बदल देते हैं और इसे फोन या कम्प्यूटर में भेज देता है। बैंड में इलेक्ट्रोमायोग्राफ लगा है जो मांसपेशियों की कोशिकाओं में हलचल होने पर उन्हें इलेक्ट्रिक संकेतों में बदल देता है। जो सेंसर कैच कर आगे प्रेषित कर देता है। प्रोफेसर रोजबेह ने कहा कि हम मांसपेशियों की हरकत को भुजा के मार्फत पकड़ते हैं और इसे डिकोड कर लेते हैं। इनमें से कुछ अंगुलियों के मार्फत आते हैं। पहली बार में यह पूरी तरह सही नहीं होता।

आलू के शौकीनों को है इस चीज का खतरा

आलू या फ्रेंच फ्राइज खाना से हाई ब्लडप्रेशर का खतरा झेलना पड़ सकता है। एक शोध में यह चेतावनी दी गई है। दुनिया में सबसे ज्यादा खाए जाने वाले आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है। जिन प्रतिभागियों ने उबले हुए, बेक्ड या मसले हुए आलूओं की सप्ताह में चार या इससे ज्यादा सर्विंग का सेवन किया उनके रक्तचाप से पीड़ित होने का खतरा 11 प्रतिशत बढ़ गया।

बदलें भोजन का स्वाद आएगी अच्छी नींद

क्या आप जानते हैं कि जो खाना आप स्वाद लेकर खाते हैं, वह रात में आपकी अच्छी या खराब नींद का कारण बन सकता है? आपको यह सुनने में अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यही है कि हमें जिस रात अच्छी नींद आती है, उसकी अगली सुबह हम ताजगी का अद्‌भुत एहसास करते हैं। इसलिए कई अध्ययन यह खुलासा करते हैं कि अच्छी नींद हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कौन से भोजन अच्छी नींद लाने में हमारी मदद करते हैं।

ओटमील

अधिकतर लोग ओट्स को सुबह के नाश्ते के लिए सही मानते हैं, लेकिन यह शाम के समय भी बहुत अच्छा काम करता है। इसमें व्याप्त कार्बोहाइड्रेट शरीर में सेरोटोनिन का स्राव करता है। सेरोटोनिन एक फील गुड हार्मोन है, जो तनाव को कम करता है और आपके दिमाग को शांति की स्थिति में ले जाता है। ओटमील कार्बोहाइड्रेट युक्त होता है, इसलिए यह आपके रक्त के स्तर को बढ़ाता है, जिससे आपके शरीर में इंसुलिन का निर्माण बढ़ता है और नींद लाने वाले मस्तिष्क के रसायन का स्राव होता है। आधे सेब को अपने ओटमील में डालें, साथ में दालचीनी भी जरूर डालें। स्किम्ड दूध के साथ इसे खाएं और सुखद नींद पाएं।

अंगूर

अच्छी नींद पाने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले आप अंगूर भी खा सकते हैं। अंगूर ही वह एकमात्र फल है, जिसमें नींद लाने वाले हार्मोन मेलाटोनिन होते हैं। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में नियमित तौर पर शामिल करने से आप प्राकृतिक तौर पर अपने शरीर में सोने और जागने के चक्र को बेहतर करने में मदद पा सकते हैं। एक छोटी कटोरी में दही के साथ कुछ अंगूर खाने से आपको अतिरिक्त कैल्शियम भी मिलता है और यह बेहतरीन डिनर स्नैक्स भी बनता है।

चीज

लोग ऐसा नहीं मानते, लेकिन सच तो यह है कि चीज अच्छी नींद के लिए काफी फायदेमंद है। इसे लेने का सही तरीका यह है कि आप इसका इस्तेमाल ज्यादा न करें और बिस्तर पर जाने से कम से कम दो घंटे पहले ही इसका सेवन करें, ताकि पाचन तंत्र में दिक्कत न आए।

मेवे

कई अध्ययन बताते हैं कि बादाम में ट्राइप्टोफैन की उच्च मात्रा होती है, जो नींद लाने वाला रसायन एमिनो एसिड है। यह एमिनो एसिड सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के निर्माण में मददगार है। अखरोट भी ट्राइप्टोफैन का बेहतरीन स्रोत है और इसमें भी मेलाटोनिन होता है। पिस्ते में विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो सेराटोनिन और मेलाटोनिन के निर्माण में सहायक है।

मछली

अधिकतर मछली में खासकर सामन और टूना में विटामिन बी6 होता है, जो मेलाटोनिन के बनने के लिए जरूरी है। मेलाटोनिन नींद को बढ़ाने वाला एक हार्मोन है, जो अंधेरे में बढ़ जाता है। यह एक व्यक्ति को अच्छी नींद में लाने के लिए जिम्मेदार है।

आलू

कार्बोहाइड्रेट प्राकृतिक नींद में सहायक है, क्योंकि यह पैंक्रियाज को उत्तेजित करके इंसुलिन का स्राव करता है। जब ऐसा होता है तो कुछ एमिनो एसिड ट्राइप्टोफैन के साथ मिल कर रक्त को छोड़ देते हैं और मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे रक्त में ट्राइप्टोफैन का स्तर बढ़ता है। इससे सेरोटोनिन का स्तर बढ़ जाता है। आलू, पास्ता, ब्रेड कार्बोहाइड्रेट के अच्छे स्रोत हैं।

प्राकृतिक तरीकों से पाएं सफेद बालों से निजात

बालों का 40 साल की उम्र के बाद सफेद होना स्वाभाविक है, लेकिन अगर 20 या 30 साल में ही ये सफेद होने लगें तो चिंताजनक है। आम तौर पर ऐसा तब होता है, जब शरीर में बालों को काला रखने के लिए जिम्मेदार तत्व मेलनिन का उत्पादन कम हो जाता है। पोषण की कमी और आनुवंशिक कारणों के चलते भी कई बार ऐसा होता है। लेकिन तंबाकू का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान और भावनात्मक तनाव भी इसका कारण हो सकता है। आइए आपको सफेद बालों की समस्या से निजात पाने के कुछ घरेलू उपचार बताते हैं।

आंवला

यह प्राकृतिक एसिट्रजेंट है, जो बालों का प्राकृतिक काला रंग बनाए रखने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका- आंवले को मसल कर उसकी गुठली निकाल दें। अब इसका पेस्ट बनाएं और सिर पर लगा लें। इसके बाद इससे बालों की जड़ों पर मालिश करें।

नारियल तेल और नीबू रस

यह सिर की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाता है। इस तेल में बायोटीन, नमी और दूसरे तत्व होते हैं, जो बालों को सफेद होने से रोकते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं।

इस्तेमाल का तरीका- इसमें दो भाग नारियल का तेल और एक भाग नीबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण से सिर और बालों की मालिश करें।

करी पत्ता

यह बालों की जड़ों की मजबूती बढ़ाता है और बालों को जरूरी पोषक तत्व देता है।

इस्तेमाल का तरीका- करी पत्ते को नारियल के तेल में डाल कर चटखने तक गर्म करें। इसके बाद इसे छान लें और इससे बालों की मालिश करें। करीब 30-45 मिनट बाद सिर धो लें। यह प्रक्रिया हफ्ते में दो बार अपनाएं।

चाय या कॉफी

ये बालों का प्राकृतिक रंग बनाए रखने में मदद करते हैं।

इस्तेमाल का तरीका- पानी में चाय की पत्ती या कॉफी पाउडर डाल कर उसे 10 मिनट तक उबालें। बालों का रंग काला बनाए रखने

के लिए चाय की पत्ती का प्रयोग कर लें और भूरा बनाए रखने के लिए कॉफी पाउडर का प्रयोग करें।

काला तिल

यह भी सफेद बालों को काला बनाने में काफी मददगार है।

इस्तेमाल का तरीका- हर रोज खाली पेट कच्चे तिल के बीजों को पानी के साथ खाना फायदेमंद होगा।

काला गुड़

यह भी बालों को सफेद होने से बचाता है। इसमें भरपूर मात्रा में तांबा होता है, जो हेयर पिगमेंट के निर्माण में सहायक होता है।

इस्तेमाल का तरीका- रोज सुबह एक चम्मच काला गुड़ खाएं। कुछ महीनों तक लगातार ऐसा करने पर सकारात्मक नतीजे मिलेंगे।

प्याज का पेस्ट

इससे बालों को पोषण मिलता है।

इस्तेमाल का तरीका- बालों पर प्याज का पेस्ट लगा लें। इसे एक घंटे बाद धो डालें। ऐसा करने से भी सफेद बाल काले हो जाएंगे।

मेहंदी और तेजपत्ता

ये दोनों ही वनस्पतियां बालों के रंग को गहरा करती हैं।

इस्तेमाल का तरीका- आधा कप सूखी मेहंदी और तेजपत्ते में दो कप पानी मिला कर उबालें। इस मिश्रण को कुछ देर तक रखा रहने दें। अब इसे छान लें और बालों को शैंपू से धोने के बाद उन पर इसे अच्छी तरह लगा दें। 15-20 मिनट के बाद दोबारा बाल धो लें। हर हफ्ते ऐसा करें।

चौलाई

यह भी बालों का काला रंग वापस लाने में मदद करती है और साथ ही बालों के विकास में भी मदद करती है।

इस्तेमाल का तरीका- चौलाई की पत्तियों को पीस लें और इसका पेस्ट अपने सिर पर लगा लें।

शिकाकाई

यह भी समय से पहले बाल को सफेद होने से रोकती है।

इस्तेमाल का तरीका- इसे लगाने से एक रात पहले पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को उबाल लें और इससे बाल धोएं। ऐसा नियमित रूप से करने पर बाल सफेद होने की समस्या से निजात मिलती है।

लूफा से नहाना खतरनाक...

लूफा का प्रयोग नहाते वक्त शरीर से डेड स्किन और गंदगी को साफ करने के लिए किया जाता है। इसे शॉवर जैल के साथ प्रयोग करते हैं। अगर आप रोजाना नहाते वक्त लूफा का प्रयोग करते हैं तो इससे आपकी त्वचा पॉलिश होती है और स्किन ग्लो भी करती है। पर एक्सपर्ट्स की बात माने तो लूफा त्वचा के लिए अच्छा नहीं होता।

त्वचा को फाड़ देते हैं

लूफा प्लास्टिक या फाइबर का बना होता है, जिसे त्वचा पर ज्यादा रगड़ने से संवेदनशील त्वचा फट भी सकती है। हफ्ते में एक दिन लूफा को ब्लीचिंग पावडर और पानी डाल कर ब्लीच करें।

कहां रखें इसे

कई लोग लूफा को नमी भरी जगह या गीले स्थान पर रखते हैं, जिससे इसमें रोगाणु पनपने लगते हैं। आपको इसे सूखे स्थान पर रखना चाहिए जिससे यह आगे के यूज के दौरान सूखा मिले। लूफा यूज कर लेने के बाद इसे तेजी से झटक कर इसमें मौजूद अत्यधिक पानी को निकाल दें, जिससे यह झट से सूख जाए। फिर इसे किसी जगह पर लटका कर सुखा लें। अगर लूफा सिंथेटिक का बना हुआ है तो आप उसे गीले होने पर माइक्रोवेव मे 20 सेकेंड के लिए रख कर सुखा सकते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लूफा को हर महीने बदलना चाहिए जिससे त्वचा पर कोई इन्फेक्शन न हो।

लूफा अगर प्रयोग करने के बाद गीला ही छोड़ दिया जाए तो उसमें बैक्टीरिया और रोगाणु पनपने लगते हैं। अगर ऐसे में रोजाना लूफा का प्रयोग किया जाए तो शरीर पर संक्रमण होने का खतरा रहता है। संवेदनशील त्वचा वालों को लूफा का बहुत ही कम प्रयोग या फिर बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इसका मटीरियल अच्छा न होने की वजह से उन्हें घाव या रैश हो सकते हैं। अगर आप भी रोजाना लूफा का प्रयोग करते हैं तो उसे हर यूज के बाद सुखाना न भूलें।

सूक्ष्मजीवों का घर

स्टडी में पाया गया है कि लूफा के अंदर दो प्रकार के सूक्ष्मजीव बसते हैं जो कि त्वचा को दाद संक्रमण और यीस्ट संक्रमण दे सकते हैं। इससे मुंह के आस पास रैश भी हो सकते हैं। इसके अंदर कुछ प्रकार के बैक्टीरिया या रोगाणु होते हैं जिन्हें नमी काफी पंसद आती है। जब ये रोगाणु शरीर के खुले घाव को पाते हैं तो ये उस पर सीधा अटैक कर के उसमें सूजन और पस भर देते हैं।

स्किन इन्फेक्शन

लूफा को यूज करने से कभी कभार त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं जो बाद में पीले रंग के पस से भर जाते हैं। यह स्किन इन्फेक्शन घातक होते हैं क्योंकि अगर लूफा शेयर किया गया तो यह दूसरे इंसान तक भी पहुंच जाते हैं।

पूजा-पाठ करते समय ध्यान रहे ये बातें

कई लोगों की आदत होती है जिस पर विश्वास करेंगे, आंखें मूंद कर करेंगे और जिस पर विश्वास न हो, उसका अपमान करेंगे। भगवान और भक्ति के मामले भी कुछ लोगों का नजरिया ऐसा ही होता है। जिस भगवान को मानते हैं, उसे सबकुछ मानेंगे, लेकिन दूसरे देवी-देवताओं को वे अविश्वास की नजर से देखते हैं। आप जिसे मानते हैं, पूजते हैं, उसे पूजें, लेकिन दूसरे देवी-देवताओं को भी नजरअंदाज न करें। किसी एक पर विश्वास करने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे में अविश्वास करें या उनका अपमान करें। विश्वास करने का अथज़ है सबका सम्मान करें। तुलसीदासजी ने हनुमानचालीसा की 35वीं चौपाई में समझाया है कि विश्वास का क्या अर्थ है

और देवता चित्त न धरई। हनुमत सेइ सब्र सुख करई।।

इस चौपाई का अथज़ यह है कि- हे हनुमानजी, आपकी इस महिमा को जान लेने के बाद लोग अन्य देवताओं को अपने चित्त (मन या हृदय) में स्थान नहीं देंगे। केवल आपकी ही सेवा में सारे सुख मिल जाएंगे। 'और देवता' कहने का एक अन्य अथज़ भी है। 'और अधिक' देवताओं को चित्त में न रखें। जो भी आपके इष्ट हों, उन्हें बनाए रखें, लेकिन दूसरों के इष्ट की आलोचना भी न करें।

इसका दूसरा अथज़ यह भी है कि यदि हनुमानजी को आप पूजेंगे, तो अन्य देवता आपको परेशान नहीं करेंगे। जैसे होता है कि कभी हम सोचते हैं शनि महाराज नाराज हो जाएंगे। तो तुलसीदासजी यह आश्वासन दे रहे हैं कि चिंता न की जाए। जिन्हें ज्योतिष में विश्वास है, वे ग्रहों के रूप में शनि को अत्यधिक अशुभ मानते हैं। यदि किसी व्यक्ति की राशि में शनि का प्रवेश हो, तो हर संभव प्रयास किया जाता है कि इस ग्रह के कोप से बचा जाए। एक बार गवज़ में डूबे सूयज़ पुत्र शनि ने श्रीराम की भक्ति में लीन हनुमानजी को बाधा पहुंचाई। हनुमानजी ने शनिदेव को समझाया कि वे ध्यान कर रहे हैं, परेशान न करें। किन्तु, शनिदेव ने उन्हें बलपूवज़्क युद्ध के लिए ललकारा।

तब हनुमानजी ने अपनी पूंछ से शनिदेव को लपेटा और चारों ओर घुमाते हुए चट्टानों पर पटक-पटक कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद शनिदेव ने अपनी मुक्ति के लिए हनुमानजी को यह वचन दिया कि 'मैं कभी आपके भक्तों को परेशान नहीं करूंगा।' अपने घावों से परेशान होकर शनिदेव तेल-तेल का विलाप करने लगे। इसीलिए उन्हें तेल चढ़ाकर प्रसन्न किया जाता है।

रेसिपी

मोर कुज़ाम्बू

सामग्री

1/2 कप ताज़ा कसा हुआ नारियल, 1/4 टी-स्पून ज़ीरा,1 टी-स्पून चावल,2 हरी मिर्च, 1/4 कप पानी, 2 1/2 कप खट्टी छाछ, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 कप लौकी/ कद्दू, 1 टेबल-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून मेथी दानें, 4 से 5 कड़ी पत्ता, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

छाछ, थोड़ा नमक और हल्दी पाउडर को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें और एक तरफ रख दें। लौकी, थोड़े नमक और 2 कप पानी को एक गहरे पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, लौकी के पक जाने तक धीमी आंच पर उबाल लें (लगभग 10 से 12 मिनट के लिए)। तैयार पेस्ट और छाछ का मिश्रण डालकर हल्के हाथों मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धीमी आच पर 5 मिनट के लिए उबाल लें। आंच से हटाकर एक तरफ रख दें। छौंक के लिए, एक छोटे पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, मेथी दानें और कड़ी पत्ता डालकर मध्यम आँच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। इस छौंक को कुज़ाम्बू पर डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हरे मटर की पूरी

सामग्री

आटे के लिए: 2 1/4 कप मैदा,1 टेबल-स्पून दही, 1/2 टी-स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 टेबल-स्पून घी, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक सवादअनुसार, 1/2 टी-स्पून मैदा, मैदा , तेल

विधि

आटे के लिए: आटे को अच्छी तरह छान लें। सभी सामग्री डालकर, ज़रुरत हो उतने गुनगुना पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को कम से कम 6 से 7 मिनट तक गूँथे, गीले सूती कपड़े से ढ़ककर कम से कम 1 घंटे तक रखें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुनें। हरे मटर, नींबू का रस और नमक डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक भुन लें। मैदा छिड़कर दुबारा 2 से 3 मिनट तक पका लें, जब तक मिश्रण सूखा ना बन जाये। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** आटे को 18 बराबर भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर 75 मिमी (3) व्यास के गोल आकार में बेल लें। गोले के बीच 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण रखें। सभी किनारों को बीच में लाकर अच्छी तरह बंद कर लें। थोड़े सूखे मैदा का प्रयोग कर दुबारा 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। विधी क्रमांक 2 से 5 को दोहराकर 17 और पूरी बनाएं। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कर पूरी के दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकाल लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**